RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 124 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 28-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विदेशी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए ‘भारत विरोधी’ विमर्श गढ़ रहे हैं राहुल गांधी

6 श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

7 गैब्रिएला ने अर्जुन रामपाल को बताया ‘लाइफ गुरु’

फर्स्ट टेक

‘बीएलओ की मौत’ पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त जवाब दें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कई बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलएओ) की कथित तौर पर मौत होने का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि ये ‘सरासर हत्या’ है जिसके लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार जिम्मेदार हैं। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ज्ञानेश कुमार को इस पर जवाब देना होगा। निर्वाचन आयोग की तरफ से बीएलओ की मौत के मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सुप्रिया ने कहा, ‘‘20 दिनों में 26 बीएलओ की मौत हो चुकी है, ये दिनदहाड़े हत्या है।’’ उन्होंने दावा किया, ‘‘उत्तर प्रदेश के गोंडा में बीएलओ विपिन यादव ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। उनके परिवार वालों का कहना है कि विपिन यादव पर मतदाता सूची से ओबीसी मतदाताओं के नाम काटने का दबाव बनाया जा रहा था।’’

ईडी ने तमिलनाडु स्थित कंपनी के खिलाफ पोंजी घोटाले की जांच के तहत छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने तमिलनाडु की एक कंपनी के खिलाफ पोंजी योजना से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत कई राज्यों में छापेमारी की है। कंपनी पर निवेशकों से 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने का आरोप है। आरुधरा गोल्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (एजीटीपीएल), इसके निदेशकों और सहयोगियों के खिलाफ मामले में बुधवार को तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, मुंबई और 21 स्थानों पर छापे मारे गए।

भारत, इंडोनेशिया ने रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इंडोनेशिया ने बृहस्पतिवार को क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता की पृष्ठभूमि में, अंतरराष्ट्रीय अधिनियम और संप्रभुता से निर्देशित स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखने के महत्व को दोहराया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके इंडोनेशियाई समकक्ष सजाफ्री सजामसोएद्दीन ने अपनी व्यापक वार्ता में सैन्य प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण और आपूर्ति शृंखला संपर्कों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त रक्षा उद्योग सहयोग समिति स्थापित करने पर भी व्यापक रूप से सहमति व्यक्त की।

28-11-2025 सूर्यास्त 5:39 बजे	29-11-2025 सूर्योदय 6:14 बजे
BSE 85,720.38 (+110.88)	NSE 26,215.55 (+10.25)
सोना 13,170 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 176,000 रु. प्रति किलो

नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं ‘जेन जेड’ इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर : मोदी

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष स्टार्टअप ‘स्काईरूट’ के पहले ‘ऑर्बिटल रॉकेट’ का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप ‘स्काईरूट’ के पहले ‘ऑर्बिटल रॉकेट’ का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए ‘जेन जेड’ पेशेवरों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में ‘स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस’ का उद्घाटन किया। कंपनी का ‘आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1’ उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा। उन्होंने कहा कि ‘जेन जेड’ इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं।

‘जेन जेड’ पीढ़ी का तात्पर्य उन लोगों से है जिनका जन्म 1997 और 2012 के बीच हुआ।

अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने सरकार के ’ऐतिहासिक’ अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित किया और कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं।

▪ भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेज़ी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 300 से ज़्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।’’

मोदी ने कहा, ‘‘भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेज़ी से बढ़ रही है।’’ उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक, भारत ने साबित कर दिया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है।

आतंकवाद रोधी रणनीति में निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

▪ भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में ‘‘मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता’’ पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित ‘चाणक्य डिफेंस डायलॉग’ के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के ‘वसुधैव कुटुम्बकम’ के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर ‘‘हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है।’’

मुर्मू ने कहा, ‘‘हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है।’’ राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, ‘‘हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है।’’

मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच ‘वचन’ को लेकर टकराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान बृहस्पतिवार को वाकयुद्ध में बदल गई, जब दोनों एक वचन निभाने को लेकर आमने-सामने आ गए। सत्ता संघर्ष के बीच शिवकुमार ने कहा, वचन की ताकत ही विश्व-ताकत है। इस पर सिद्दरामय्या ने चुटकी लेते हुए जवाब दिया, वचन तभी ताकत बनता है, जब वह लोगों की जिंदगी बेहतर करे। सिद्दरामय्या जोर दे रहे हैं कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि सरकार का आधा कार्यकाल पूरा होने (20 नवंबर को) के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा, कर्नाटक के लोगों ने जो जनादेश दिया है, वह क्षण भर के लिए नहीं, बल्कि पूरे पांच साल की जिम्मेदारी है।

शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, अपनी बात पर कायम रहना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है! वचन की ताकत ही विश्व-शक्ति है। उन्होंने कहा, चाहे न्यायाधीश हों... या कोई और, चाहे मैं ही क्यों न हूं, सबको अपनी बात पर कायम रहना चाहिए। वचन की ताकत ही दुनिया की असली ताकत है। इस गूढ़ पोस्ट को कांग्रेस और सिद्दरामय्या को याद दिलाने वाला माना जा रहा है कि 2023 में, जब दोनों मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ में थे और पार्टी ने राज्य चुनाव में जीत हासिल की थी तो उनके बीच कथित रूप से सत्ता-साझाकरण का समझौता हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा, कर्नाटक की जनता द्वारा दिया गया जनादेश क्षण भर के लिए नहीं, बल्कि पूरे पांच साल की जिम्मेदारी है। मुझ समेत कांग्रेस पार्टी अपने लोगों के लिए सच्चाई, स्थिरता और साहस के साथ काम कर रही है। कर्नाटक के लिए हमारा वचन कोई नारा नहीं है, बल्कि हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

सरकार हरित ईंधन वाले कृषि उपकरणों को बढ़ावा देगी, छोटे किसानों तक पहुंच बढ़ाएगी : कृषि सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 2047 तक वैश्विक खाद्यान्न भंडार केंद्र बनने के भारत के दृष्टिकोण के तहत हरित ईंधन आधारित कृषि मशीनरी को प्राथमिकता देगी और छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए मशीनीकरण तक पहुंच बढ़ाएगी।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा कृषि पर आयोजित कार्यक्रम में चतुर्वेदी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के चार प्रमुख उद्देश्यों कृषि लागत में कमी, उत्पादकता में वृद्धि, मूल्य संवर्धन के माध्यम से मूल्य प्राप्ति में सुधार और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए मशीनीकरण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ‘‘ अगले पांच से 10 वर्ष में हमें अपनी प्रौद्योगिकियों को हरित ईंधन की ओर स्थानांतरित करना चाहिए। चाहे वह विद्युत चालित ट्रैक्टर हों या ग्रामीण सीबीजी संयंत्रों से उपलब्ध सीबीजी (कॉम्प्रेस्ड बायोगैस) पर चलने वाली मशीनें हों।’’

कृषि सचिव ने कहा कि इस बदलाव से किसानों के लिए रखरखाव और परिचालन लागत दोनों में कमी आएगी तथा सरकारी योजनाओं में हरित ईंधन आधारित प्रौद्योगिकियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित इतालवी उद्योग से इस क्षेत्र में सहयोग करने का आह्वान किया और कहा कि यह समय की मांग है।

इसी कार्यक्रम में इटली के राजदूत एंतोनियो बार्तोली ने कहा कि कृषि-खाद्य मूल्य शृंखला में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 प्रतिशत और इटली के सकल घरेलू उत्पाद में 15 प्रतिशत है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में इस क्षेत्र की भूमिका पर भी जोर दिया।

झारखंड के दुमका में यात्री ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरे

दुमका (झारखंड)/भाषा। झारखंड के दुमका रेलवे स्टेशन के समीप बृहस्पतिवार को रामपुरहाट-जसीडीह यात्री ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पूर्वी रेलवे के अंतर्गत आने वाले दुमका स्टेशन के पास दोपहर करीब दो बजकर 10 मिनट पर हुई इस दुर्घटना में दो से तीन यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। ट्रेन पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट से दोपहर करीब 12 बजकर 50 मिनट पर रवाना हुई थी और इसे झारखंड में जसीडीह स्टेशन पहुंचना था।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में 21 साल की सजा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में बृहस्पतिवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई।

ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वाचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई।

न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई।

न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई।

प्रधानमंत्री गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची मूर्ति का अनावरण करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को दक्षिण गोवा जिले में श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फुट ऊंची कांस्य की मूर्ति का अनावरण करेंगे। मठ के एक प्रतिनिधि ने यह जानकारी दी।

मठ की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास डेम्पो ने बताया कि प्रधानमंत्री अपराह्न 3.45 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। मठ परिसर में एक विशेष हेलीपैड बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान राम की 77 फुट ऊंची मूर्ति का अनावरण प्रधानमंत्री करेंगे।

गोवा लोक निर्माण विभाग के मंत्री दिगंबर कामत ने कहा कि गुजरात में ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ का डिजाइन तैयार करने वाले मूर्तिकार राम सुतार ने ही भगवान राम की मूर्ति बनाई है। मंत्री ने कहा कि यह दुनिया में श्री राम की सबसे ऊंची मूर्ति होगी।

डेम्पो ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी एक जनसभा को संबोधित करने से पहले मठ में बने मंदिर भी जाएंगे। उन्होंने बताया कि गोवा के राज्यपाल अशोक गजपति राजू, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक तथा राज्य के कैबिनेट मंत्री इस समारोह में शामिल होंगे।

हांगकांग में बहुमंजिला इमारतों में आग लगने की घटना में मृतकों की संख्या 83 हुई, 280 से अधिक लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/हांगकांग/भाषा। हांगकांग में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी जूझते रहे और मृतकों की संख्या बढ़कर 83 हो गई है, जबकि 280 से अधिक लोग लापता हैं, अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने इसे पिछले 70 वर्षों में शहर की सबसे बड़ी त्रासदी बताया। उन्होंने बताया कि लगभग 76 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 43 की हालत गंभीर है। मृतकों में एक दमकलकर्मी भी शामिल है। कई लोग अभी भी इमारतों में फंसे हुए हैं।

सात में से चार ब्लॉक में लगी भीषण आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि बृहस्पतिवार शाम को शेष 31 मंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों पर आग धधकती रही।

हांगकांग स्थित ‘साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट’ की खबर के अनुसार, बड़े पैमाने पर बचाव कार्य जारी है और अभी भी फंसे लोगों को इमारतों से निकाला जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर में बुधवार को लगी आग का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामले में आपराधिक जांच शुरू कर दी गई है। शहर के अधिकारियों का कहना है कि 280 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चत्वारि कालखण्ड

सतयुग से त्रेता युग तक था,
सच्चे लक्षण का कालखण्ड।
द्वापर से कलयुग आदि रहा,
हित संरक्षण का कालखण्ड।
आजादी तक का समय रहा,
शोषण भक्षण का कालखण्ड।
नब्बे के दशक बाद का है,
बस आरक्षण का कालखण्ड।।

उद्घाटन

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, बाएं से दूसरे, और दूसरे लोग, गुरुग्राम के सेक्टर-48 में देश के पहले ऑल-इन-वन टेस्ला इंडिया मोटर्स सेंटर के उद्घाटन के दौरान।

हरियाणा में टेस्ला का विनिर्माण संयंत्र लगने को लेकर सैनी आश्वस्त

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी टेस्ला राज्य में ही अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण संयंत्र और अन्य संबंधित इकाइयां स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री सैनी ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों का भी जिक्र किया। सैनी ने गुरुग्राम में देश के पहले 'ऑल-इन-वन टेस्ला इंडिया मोटर्स सेंटर' का उदघाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा केवल एक बाजार नहीं बल्कि एक उत्पादन केंद्र है, जो वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य उद्योगों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टेस्ला अपनी भारत की पहली इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण इकाई हरियाणा में स्थापित करेगी और अन्य संबंधित टेस्ला इकाइयां भी राज्य में स्थापित होंगी। टेस्ला इंडिया मोटर्स सेंटर का उदघाटन करने के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार राज्य में उद्योगों के लिए व्यापार करने की लागत को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है। सैनी ने कहा कि विदेशी कंपनियों और सरकारों के साथ प्रभावी बातचीत सुनिश्चित करने के लिए, हरियाणा सरकार ने विदेशी सहयोग विभाग की स्थापना की है, जो सक्रिय रूप से वैश्विक निवेशकों के साथ सहयोग की सुविधा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कारोबार करने को सुगम बनाया गया है।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत: वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपए थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया।

चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

बीज संधि में प्रस्तावित बदलावों का विरोध करें वैश्विक दक्षिण के देश: अलायंस

नई दिल्ली/भाषा

'इंडिया सीड सॉवरेन्टी अलायंस' ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अंतरराष्ट्रीय बीज संधि 'आईटीपीजीआरएफए' में प्रस्तावित बदलावों को खारिज करने की अपील करते हुए कहा है कि इससे देश के बीज अधिकारों को नुकसान होगा।

अलायंस की मुख्य चिंता 'आईटीपीजीआरएफए' में बदलावों को लेकर है जो 64 फसलों से आगे बढ़कर सभी पौधों के जेनेटिक संसाधन और उनकी 'डिजिटल सीक्वेंस इन्फॉर्मेशन' (डीएसआई) को शामिल करने के लिए मुक्त वैश्विक पहुंच के बहु-स्तरीय प्रणाली का विस्तार करेगा।

भारत वर्ष 2002 से 'खाद्य एवं कृषि के लिए पौध जीन संसाधन अंतरराष्ट्रीय संधि' (आईटीपीजीआरएफए) का एक पक्ष रहा है। इन बदलावों पर अभी पेरू की राजधानी लीमा में बातचीत चल रही है।

अलायंस ने अपने खुले पत्र में कहा, ''वैश्विक दक्षिण के देशों को हमारे समृद्ध जेनेटिक खजाने और जीनोमिक जानकारी अपने बौद्धिक संपदा अधिकार का दावा करने और अधिक मुनाफा कमाने को प्राथमिकता देने वाली 'वैश्विक उत्तर' की बीज कंपनियों को क्यों सौंपी जानी चाहिए।''

अलायंस ने वैश्विक दक्षिण से परिशिष्ट-1 में प्रस्तावित संशोधन से इनकार करने, कृषक अधिकारों के लिए एक प्रणाली पर मिलकर काम करने और पारंपरिक जेनेटिक संसाधन पर पेटेंट के गलत इस्तेमाल को रोकने की अपील की। इसके अलावा, अलायंस ने निगरानी प्रणाली को बेहतर बनाने, लाभ साझा करने की शर्तों का पालन पक्का करने, राष्ट्रीय विरासत रजिस्ट्री बनाने, किसानों के साथ भागीदारीपूर्ण सुनवाई करने, संधि की कार्रवाई के लिए अनुभवी वार्ताकार नियुक्त करने, और पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल करके कृषि-पारिस्थिकी रास्ता अपनाने को भी कहा।

अलायंस ने प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा, ''हमें भरोसा है कि आप देश एवं किसानों के जरूरी हितों, जिसमें बीज की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता शामिल है, की पूरी तरह से रक्षा करने की पूरी कोशिश करेंगे।''

बहुराष्ट्रीय बीज कंपनियों को पहले से ही वैश्विक व्यापार के 54 प्रतिशत से अधिक नियंत्रण है और वे दुनिया भर के किसानों से अरबों का मुनाफा कमाती हैं। अलायंस ने भारत की पौध किस्मों एवं किसानों के अधिकार संरक्षण कानून को लागू करने में गंभीर कमियों का भी उल्लेख किया है।

अजित पवार के विवादित बयान पर शरद पवार ने कहा, 'पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है'

पुणे/भाषा

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है तो निधि (कोष) हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को उन्हें आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वित्तीय आश्वासन के आधार पर वोट मांगना गलत है।

पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बात करते हुए शरद पवार ने यह भी कहा कि बारिश और बाढ़ के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को राज्य सरकार द्वारा दी गई सहायता पर्याप्त नहीं है।

राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) का नेतृत्व कर रहे अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनेंगे तो शहर के लिए कोष की कमी नहीं होने देंगे लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें ''नकार'' दिया गया, तो वह भी ''नकार'' देंगे।

राज्य के विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं।

उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों के बाद इस बात पर बहस चल रही है कि राज्य के कोष को कौन नियंत्रित करता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार ने कहा कि कितनी राशि दी जाए, इसे लेकर भी प्रतिस्पर्धा चल रही है।

शरद पवार ने कहा, किए गए कामों के आधार पर वोट मांगने के बजाय अब वित्तीय आश्वासनों के सहारे वोट मांगे जा रहे हैं। यह ठीक बात नहीं है। अगर वित्तीय पहलुओं को सामने रखकर ही चुनाव जीतने का एकमात्र लक्ष्य हो तो ऐसी बातों पर टिप्पणी करने की आवश्यकता ही क्या है?

हाल ही में राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को दी गई वित्तीय सहायता पर राकांपा (शरद पवार) प्रमुख ने कहा कि जिन किसानों को क्षति हुई है उन्हें पर्याप्त मदद उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने किसानों से कर्ज की वसूली एक वर्ष के लिए रोकने का फैसला लिया है। यह कदम किसानों को अस्थायी राहत तो देगा लेकिन लंबे समय के लिए इससे मदद नहीं मिलेगी। किसानों को हुए नुकसान को देखते हुए सरकार को आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए थी। इससे किसानों को पर्याप्त मदद मिल सकती थी।

सेना प्रमुख ने सशस्त्र बल को भविष्योन्मुखी बनाने की रूपरेखा पेश की

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया शीत युद्ध की द्विध्रुवीय परिवेश से निकल कर कुछ समय के लिए एकध्रुवीय व्यवस्था में रही और अब यह एक अनिश्चित और खंडित व्यवस्था में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने रेखांकित किया कि लंबे समय से कायम शांति घट रही है और व्यापक संघर्ष बढ़ रहे हैं।

यहां सेना द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन 'चाणक्य रक्षा संवाद' के तीसरे संस्करण के उदघाटन सत्र में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने सेना को मजबूत बनाने के उपायों का उल्लेख किया, जो आने वाले वर्षों में बल के बदलावों को आगे बढ़ाएंगे, ताकि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में सेना निर्णायक और भविष्य-सक्षम बनी रह सके।

जनरल द्विवेदी ने कहा, हम एक तेजी से बहुध्रुवीय होती दुनिया में रह रहे हैं, जहां प्रमुख शक्तियां निरंतर टकरा रही हैं और प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। दुनिया शीत युद्ध की द्विध्रुवीयता से आगे बढ़कर एक संक्षिप्त एकध्रुवीय दौर के बाद अब एक अनिश्चित और खंडित व्यवस्था में पहुंच गई है। लंबे समय से कायम शांति घट रही है और व्यापक संघर्ष बढ़ रहे हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि दुनिया भर में 50 से अधिक संघर्ष जारी होने के बीच यह कहना कि हम अशांत समय में रह रहे हैं, वास्तव में हालात को कम करके आंकना होगा।

सेना प्रमुख ने कहा, इसलिए, यदि दुनिया का रुख राष्ट्रीय सुरक्षा, प्रतिरोधक क्षमता और युद्ध-कौशल की ओर मुड़ रहा है, तो अनिवार्य रूप से यह हमारे सामने एक बुनियादी प्रश्न खड़ा करता है भारतीय सैन्य बल को इस तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में निर्णायक और तैयार बने रहने के लिए किस प्रकार रूपांतरित होना चाहिए?

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, मोथा पार्टी के प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मा के साथ 'वन नॉर्थ ईस्ट' रैली के दौरान।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वाले 25,000 लोगों को आयकर विभाग भेजेगा संदेश

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी।

दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था।

इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपए की विदेशी आय की जानकारी भी दी।

सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है। साथ ही, उद्योग संगठनों, आईसीएआई और विभिन्न संघों से भी इस बारे में जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया गया है।

विभाग ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एईओआई सूचना के विश्लेषण से ऐसे कई मामलों का पता चला है जिनमें विदेशी संपत्तियां होने की संभावना है लेकिन आकलन वर्ष 2025-26 में दाखिल आईटीआर में उनका ब्योरा नहीं दिया गया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को भारतीय निवासियों की विदेशी वित्तीय संपत्तियों की जानकारी सूचना-साझाकरण प्रणालियों- कॉमन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड (सीआरएस) और अमेरिकी विदेशी खाता कर अनुपाल अधिनियम के तहत मिलती है। यह सूचना रिटर्न में संभावित त्रुटियों को पहचानने और करदाताओं को सही अनुपालन के लिए मार्गदर्शन करने में सहायक होती है। इस अभियान का उद्देश्य आईटीआर में विदेशी परिसंपत्तियों (एफए) और विदेशी स्रोत से आय (एफएसआई) खंडों के तहत सही और पूर्ण विवरण सुनिश्चित करना है। विदेशी संपत्तियों एवं विदेशी स्रोत से आय का सही खुलासा आयकर अधिनियम, 1961 और काला धन अधिनियम, 2015 के तहत कानूनी रूप से अनिवार्य है।

मॉक ड्रिल

मिर्जापुर में गुरुवार को प्रोविंशियल आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी के जवान मिर्ज़ापुर उत्तर प्रदेश में गुरुवार को मॉक ड्रिल के दौरान।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई होगी: गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा।

राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपए आवंटित करेगा।

गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बतायी। उन्होंने आगाह किया कि गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यमों की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं।

कोयंबटूर में बीएसई द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी में पांडेय ने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। यह चुनौती और भी बढ़ गई है। कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले ऐप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी विनियमित बाजार नहीं दे सकता।

बाजार नियामक के प्रमुख ने खतरे की गंभीरता को दोहराते हुए कहा कि ऐसे ''गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित व्यापारिक मंचों की ओर आकर्षित करते हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार के मामले कोई छिटपुट घटनाएं नहीं हैं बल्कि निवेशकों के विश्वास, जिज्ञासा और आकांक्षाओं का फायदा उठाने के समन्वित प्रयास हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लोग 'अवसर की आड़ में धोखे' का शिकार न हों। पांडेय ने कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए जागरूकता को डिजिटल मंचों पर सावधानी, जानकारी के साथ संदेह से देखना और कोई भी वित्तीय कदम उठाने से पहले जांच-परख की आदत में बदलना होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता बन गया है। सेबी ने इन प्रयासों के तहत यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भुगतान केवल सेबी-पंजीकृत मध्यस्थों की प्रामाणिक यूपीआई आईडी पर ही किए जाएं। बाजार नियामक ने जांच सुविधा का भी विस्तार किया है जिससे निवेशक 'सेबी इन्वेस्टर' वेबसाइट और सारथी मोबाइल ऐप पर बैंक खातों की वास्तविकता की तुरंत पुष्टि कर सकते हैं।

यह समझते हुए कि धोखाधड़ी की गतिविधि बिना किसी चेतावनी के हो सकती है निवेशक अब स्वेच्छा से अपने लेनेदने के खातों को 'फ्रीज' या 'ब्लॉक' कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'हैक' किए गए डेबिट कार्ड को 'ब्लॉक' किया जाता है। यह विकल्प तत्काल सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

सेबी ने लोगों को संदिग्ध योजनाओं की पहचान करने में और अधिक सहायता करने के लिए 'स्पॉट ए स्कैम टूल' पेश किया है जो उपयोगकर्ताओं की ऑनलाइन प्रामाणिकता सत्यापित करने में मदद करता है। पांडेय ने बताया कि सेबी ने पिछले 18 महीनों में मेटा, गूगल, टेलीग्राम और एक्स सहित सोशल मीडिया एवं सर्च मंचों पर गैरकानूनी या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के एक लाख से अधिक मामलों को चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अनुरूप विनियमित संस्थाओं को सोशल मीडिया पर अनियमित सलाहकारों के साथ जुड़ने की अनुमति नहीं है जिससे झूठे दावों व हानिकारक पेशकशों के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

बाजार नियामक सेबी ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि उसने प्रमुख सोशल मीडिया और इंटरनेट मंचों के साथ संपर्क बढ़ा दिया है। साथ ही उनसे धोखाधड़ीपूर्ण निवेश-संबंधी सामग्री के खिलाफ सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया है।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति बेहतर हो रही : सैफरान सीईओ

हैदराबाद/भाषा

वैश्विक रक्षा एवं विमानन क्षेत्र की फ्रांस की प्रमुख कंपनी सैफरान के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ओलिवर एंड्रीस ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला की स्थिति बेहतर हो रही है और अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। उन्होंने यह टिप्पणी आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण वैमानिकी विनिर्माण परिवेश पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव की पृष्ठभूमि में की है।

आपूर्ति शृंखला की बाधाओं के कारण वाणिज्यिक विमानों के आधिनिकीकरण और वितरण पर असर पड़ रहा है।

ओलिवर एंड्रीस ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला के लिए लगातार चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं।

वर्तमान आपूर्ति शृंखला की स्थिति पर पीटीआई-भाषा के सवाल पर उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले से कच्चे माल पर बड़ा झटका लगा है क्योंकि रूस वैमानिकी उद्योग के लिए टाइटेनियम, निकल और एल्यूमीनियम जैसे कच्चे माल का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण मांग में आए झटके से कच्चे माल से जुड़ा संकट आपूर्ति शृंखला में भी फैल गया है। इसके परिणामस्वरूप आपूर्ति और कीमतों पर भी असर पड़ा।

पुष्पांजलि

गुरुवार को चेन्नई के गोपालपुरम् स्थित अपने आवास पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने अपने दादा करुणानिधि की जयंती के मौके पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

पूर्व प्रधानमंत्री वी पी सिंह की आज के भारत में और अधिक कमी महसूस होती है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री वी. पी. सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें सामाजिक न्याय के संरक्षक की संज्ञा दी। स्टालिन ने कहा कि जब केंद्र सरकार में बैठे शासक ईडब्ल्यूएस और नीट जैसे तरीकों से सामाजिक न्याय को कमजोर करते हैं, तब वी. पी. सिंह जैसे प्रधानमंत्री की कमी और अधिक महसूस होती है। स्टालिन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण का जिक्र कर रहे थे, जिन्हें उनके मुताबिक अब तक आरक्षण का फायदा नहीं मिला है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) का उल्लेख भी किया। गौरतलब है कि स्टालिन की अगुवाई वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पार्टी इन दोनों का ही विरोध कर रही है।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, तमिलनाडु और उनके (वी.पी. सिंह के) बीच के बंधन को अभिव्यक्त करने वाली उनकी आदमकद मूर्ति अब शान से खड़ी है जिसका अनावरण मैंने 2023 में ठीक इसी दिन किया था। उन्होंने कहा, उनके (वी पी सिंह) जैसे प्रधानमंत्री की कमी आज और भी अधिक महसूस होती है, जब केंद्र सरकार के शासक ईडब्ल्यूएस और नीट जैसे अलग-अलग तरीकों से सामाजिक न्याय को दबाते हैं। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की जनता और उनके पिता (पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि) सिंह से बहुत प्यार करते थे।

उन्होंने लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जो अपनी कथनी और करनी दोनों से तमिल लोगों के मित्र के रूप में खड़े रहे, उनकी पुण्यतिथि पर मैं उनकी सामाजिक न्याय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लिखा, राष्ट्र द्वारा सराहे गए सामाजिक न्याय के संरक्षक वी. पी. सिंह की ख्याति सदा बढ़ती रहे।

मद्रास उच्च न्यायालय ने 2009 के हिंसा मामले में 28 अधिवक्ताओं के खिलाफ आरोप पत्र खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने 19 फरवरी 2009 को अदालत परिसर में पुलिस और वकीलों के बीच हुई हिंसा के मामले में 28 अधिवक्ताओं के खिलाफ दायर आरोप पत्र बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति एम. निर्मल कुमार ने अधिवक्ता रजनीकांत और 27 अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ सीबीआई की ओर से दायर आरोप पत्र को खारिज कर दिया। इसी तरह, न्यायाधीश ने चार पुलिस अधिकारियों की याचिकाएं स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ दर्ज आरोप पत्र को भी खारिज कर दिया।

तत्कालीन जनता पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी पर अदालत कक्ष में अंडे फेंके जाने को लेकर वकीलों और पुलिस के बीच झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप हिंसा हुई। इसके परिणामस्वरूप, कई वकील, पुलिसकर्मी और उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

कोयंबटूर और जयपुर के बीच विशेष ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06181/06182 कोयंबटूर-जयपुर-कोयंबटूर साप्ताहिक विशेष रेल गाड़ी की दो सेवाएं चलाये जाएंगे।

ट्रेन संख्या 06181 कोयंबटूर-जयपुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन 18 और 25 दिसंबर गुरुवार को कोयंबटूर से 02.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 13.25 बजे जयपुर पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06182 जयपुर - कोयंबटूर साप्ताहिक विशेष ट्रेन 21 और 28 दिसंबर रविवार को 22.05 बजे जयपुर से रवाना होगी और चौथे दिन 08.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 7-एसी थ्री टियर कोच, 4-एसी थ्री टियर इकोनॉमी कोच, 7-स्लीपर क्लास कोच और 2-लगेज कम ब्रेक वैन होंगे।

फुटबोर्ड पर यात्रा और जोखिम भरे स्टंट करने वालों पर नकेल कसेगी दक्षिण रेलवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने उपनगरीय और एमआरटीएस सेवाओं में फुटबोर्ड यात्रा और जोखिम भरे स्टंट के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल ने छात्रों और युवाओं के कुछ समूहों में, विशेष रूप से उपनगरीय और एमआरटीएस रेल खंडों में, असुरक्षित व्यवहार की बढ़ती प्रवृत्ति देखी है। हाल के दिनों में, प्लेटफार्मों पर चलती ट्रेनों में स्केटिंग-शैली के स्टंट करना, स्टंट करने के लिए चलती ट्रेनों से बाहर निकलना, फुटबोर्ड पर यात्रा करना, ट्रेनों के आवागमन के दौरान उपद्रव मचाना और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए मोबाइल फोन पर ऐसी हरकतों का वीडियो रिकॉर्ड करना जैसी घटनाओं की खबरें तेजी से सामने आई हैं।

ये हरकतें संबंधित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं और साथ चलने वाले यात्रियों की जान को भी खतरे में डालती हैं। इस तरह का लापरवाही भरा व्यवहार न केवल किसी के भविष्य को खतरे में डालता है , बल्कि शैक्षणिक संस्थानों की बदनामी भी करता है और अभिभावकों के लिए गहरी चिंता का विषय भी है। चेन्नई मंडल सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तदनुसार, उपनगरीय और एमआरटीएस खंडों में सख्त प्रवर्तन उपाय तेज कर दिए गए हैं। फुटबोर्ड यात्रा, स्टंट या अन्य असुरक्षित गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर बिना किसी रियायत के, रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार दंड लगाया जाएगा। चेन्नई मंडल छात्रों, युवाओं और सभी यात्रियों से रेलवे सुरक्षा मानदंडों का पालन करने, जिम्मेदारी से यात्रा करने और जानलेवा स्टंट से बचने की अपील करता है। उपनगरीय और एमआरटीएस सेवाओं के सुरक्षित और सुचारू संचालन को बनाए रखने के लिए जनता का सहयोग आवश्यक है। किसी भी सुरक्षा संबंधी सहायता के लिए यात्री रेलवे हेल्पलाइन 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्मरणदिवस

चेन्नई के मरीना बीच पर पूर्व मुख्यमंत्री तमिल कवि कलैगनार करुणानिधि की जयंती पर उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन।

तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के जन्मदिन पर नेताओं ने बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन बृहस्पतिवार को 48 वर्ष के हो गए और अनेक नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने जन्मदिन की बधाई देते हुए द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) युवा शाखा के सचिव उदयनिधि को आशा का नायक बताया। थेनारासु ने उदयनिधि की सराहना करते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ियन मॉडल सरकार के एक स्तंभ हैं।

वहीं, उदयनिधि ने पार्टी सदस्यों से अपील की है कि वे उनके जन्मदिन का जश्न भव्य तरीके से न मनाएं और इसके बजाय, वे बारिश से प्रभावित दक्षिणी जिलों में राहत कार्य को प्राथमिकता दें। उदयनिधि स्टालिन का जन्म 27 नवंबर, 1977 को हुआ था और वह 28 सितंबर, 2024 को उपमुख्यमंत्री बने थे। उपमुख्यमंत्री ने अपने जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एक बयान में कहा, हालांकि जन्मदिन हर किसी के जीवन में खुशी लाता है लेकिन मैं भव्य समारोहों का शौकीन नहीं हूं। तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) के प्रमुख के. सेल्वापेरुन्थागई ने उपमुख्यमंत्री को अपनी और समिति की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह बात ध्यान देने योग्य है कि आप युवाओं के लिए आशा की आवाज हैं जो महान तमिल नेता कलैग्नार (करुणानिधि) की क्रांतिकारी सोच और मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी पहलों को दर्शाते हैं।

टीएनसीसी प्रमुख ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आपकी अच्छी सेहत और लोगों की सेवा करते रहने की क्षमता हमेशा बनी रहे।'' फिल्म निर्देशक और अभिनय से राजनीति में आए उदयनिधि स्टालिन उपमुख्यमंत्री का पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के नेता हैं।

हुब्बल्ली में सम्पन्न हुई डिविजनल रेलवे यूज़र्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीआरयूसीसी) की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दपरे के हुब्बल्ली रेलवे डिविजन ने 27 नवंबर को हुब्बल्ली वर्कशॉप के सेमिनार हॉल में डिविजनल रेलवे यूज़र्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीआरयूसीसी) की 39वीं बैठक का आयोजन किया। हुब्बल्ली डिविजनल रेलवे मैनेजर बेला मीणा ने बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि बेल्लारी और वास्को-डी-गामा रेलवे स्टेशनों को भविष्य में मॉडल स्टेशनों के तौर पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, व्यवस्थित पार्किंग, चौड़े एंट्रेंस, एस्केलेटर और सभी जरूरी पैसेंजर सुविधाएं होंगी, जिससे यात्रा का अनुभव आरामदायक और सुविधाजनक होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेलवे सुरक्षा और कुशल मैनेजमेंट को प्राथमिकता देता है।

उन्होंने सभी सदस्यों से यात्रियों की शिकायतें सुनने और रेलवे स्टेशनों पर सफाई और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कैंपेन में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने आग्रह किया कि यात्रियों, खासकर यात्रियों को चलती ट्रेन में न चढ़ने की हिदायत दी। साथ ही सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, ताकि यात्रा का अनुभव सुरक्षित और निश्चत रहे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक और डीआरयूसीसी के सचिव डॉ. कार्तिक वी. हेगड़ेकट्टे ने बताया कि स्टेशन की सुरक्षा के लिए नवीकृत सीसीटीवी कैमरे, मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड, आरपीएफ चेकिंग स्पॉट और ट्रेंड सिक्योरिटी कर्मचारी तैनात किए गए हैं। त्योहारों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान, अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं का इंतज़ाम किया जाता है और पैसेंजर फ्लो को अच्छे से मैनेज किया जाता है। गोवा के सदस्य चन्द्रकांत गवास ने ने इंजीनियरिंग ब्रांच और डीआरएम के दिशानिर्देश पर रेलवे विभाग के तुरंत कार्रवाई की तारीफ़ की, जिससे बारिश के मौसम में वास्को स्टेशन के पास रेलवे ब्रिज के पास ट्रैफिक की दिक्कतें हल हो गईं। बैठक में कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, रजिस्टर्ड पैसेंजर एसोसिएशन, ट्रेडर्स यूनियन और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव के कुल बारह डीआरयूसीसी सदस्यों मेंबर्स के साथ-साथ वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी शामिल हुए।

आधारशिला

चेन्नई में गुरुवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सचिवालय में हिंदू धार्मिक और धर्मस्व विभाग की ओर से 18 मंदिरों में 24 नए परियोजना कार्यों और एक कॉलेज इनडोर खेल स्टेडियम की अनुमानित लागत 79.94 करोड़ रुपये की आधारशिला रखी और 5 मंदिरों में 6.77 करोड़ रुपये की लागत से 4 पूर्ण नवीनीकरण, कॉलेज प्रयोगशाला कार्यकारी अधिकारी आवास और 13 निरीक्षक कार्यालयों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया।

ईडी ने तमिलनाडु स्थित कंपनी के खिलाफ पोंजी घोटाले की जांच के तहत छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने तमिलनाडु की एक कंपनी के खिलाफ पोंजी योजना से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत कई राज्यों में छापेमारी की है। कंपनी पर निवेशकों से 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। आरुध्रा गोल्ड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (एजीटीपीएल), इसके निदेशकों और सहयोगियों के खिलाफ मामले में बुधवार को तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, मुंबई और 21 स्थानों पर छापे मारे गए।

धनशोध का मामला चेन्नई पुलिस की प्राथमिकी से निकाला है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने 10-30 प्रतिशत मासिक रिटर्न, सोने के सिक्के और पांच लाख रुपये तक की जमा राशि पर दो प्रतिशत रेफरल कमीशन जैसे प्रोत्साहनों का वादा करके जनता से राशि एकत्र की थी।

ईडी के अनुसार, चेन्नई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 2023 में एजीटीपीएल समूह की कंपनियों, निदेशकों, प्रमुख कर्मचारियों और एजेंटों सहित 40 व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

पुलिस के अनुसार, कुल 1,04,433 जमाकर्ता प्रभावित हुए हैं। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि डिफ़ॉल्ट राशि 1,404 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें कहा गया है कि मामले का मुख्य आरोपी वी राजशेखर अपनी पत्नी के साथ फरार है। ईडी ने छापेमारी के दौरान 22 लाख रुपये नकद के अलावा 1.50 करोड़ रुपये की संपत्ति के दस्तावेज जब्त किए। उसने दावा किया कि कंपनी में डमी निदेशक थे जो मामूली काम कर रहे थे और एजीटीपीएल के मामलों में शामिल नहीं थे।

अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता सेंगोट्टैयन अभिनेता विजय की टीवीके में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता के. ए. सेंगोट्टैयन और उनके समर्थक बृहस्पतिवार को यहां अभिनेता-नेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके में शामिल हो गए। सेंगोट्टैयन को एमजीआर का करीबी माना जाता था। वह पनैयूर स्थित टीवीके मुख्यालय पहुंचे और अन्नाद्रमुक की पूर्व सांसद वी. सत्यभामा सहित कई समर्थकों के साथ विजय की मौजूदगी में उनकी पार्टी में शामिल हो गए। सेंगोट्टैयन (77) को विजय ने टीवीके का पीले-लाल रंग का शॉल भेंट किया।

टीवीके के सूत्रों का मानना है कि उनके पार्टी में शामिल होने से कोंगु क्षेत्र में टीवीके को मजबूती मिलेगी, खासकर उनके गृह जिला एरोड के आठ विधानसभा क्षेत्रों में। नौ बार के विधायक रहे सेंगोट्टैयन ने 26 नवंबर को गोबिचेट्टिपलयम के विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। वह ओ. पन्नीरसेल्वम समर्थक पी. एच. मनोज पंडियन के बाद इस्तीफा देने वाले अन्नाद्रमुक के दूसरे विधायक हैं। मनोज पंडियन सत्तारूढ़ द्रमुक में शामिल हो गए हैं।

उन्हें अन्नाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी ने 31 अक्टूबर को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। यह कदम उनके पार्टी से निष्कासित नेताओं ओ. पन्नीरसेल्वम, टी.टी.वी. दिनाकरण और दिनाकरण की चाची वी.के. शशिकला से रमनाथपुरम में मुलाकात करने के बाद उठाया गया। वरिष्ठ नेता ने निष्कासित नेताओं को फिर से पार्टी में शामिल किए जाने का प्रयास किया था। सात नवंबर को सेंगोट्टैयन के 14 समर्थकों सहित पूर्व सांसद वी. सत्यभामा को भी अन्नाद्रमुक से हटा दिया गया था।

दक्षिण रेलवे ने जोलारपेट्टई और कोयंबटूर के बीच हाई-स्पीड ट्रायल रन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार महत्वपूर्ण गलियारों में अधिकतम स्वीकार्य गति बढ़ाने के अपने निरंतर प्रयासों के अनुरूप, दक्षिण रेलवे ने 27 नवम्बर को जोलारपेट्टई-कोयंबटूर (286 किमी) खंड में सफलतापूर्वक उच्च गति का ट्रायल रन किया। सेक्शनल गति को मौजूदा 110 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटे करने की चल रही पहल के तहत, जोलारपेट्टई-कोयंबटूर सेक्शन के

दोनों दिशाओं में अनिवार्य परीक्षण रन की एक श्रृंखला आयोजित की जा रही है। आज का परीक्षण सुबह डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से एक विशेष ट्रेन के गठन के साथ शुरू हुआ और दोपहर तक कोयंबटूर पहुँच गया, जहाँ रास्ते में इसकी अधिकतम गति 145 किमी प्रति घंटा हो गई। अप दिशा (कोयंबटूर - जोलारपेट्टई) में वापसी हाई-स्पीड रन भी आज ही आयोजित किया जा रहा है।

हाई स्पीड रन के दौरान, पार्श्व और ऊर्ध्वाधर त्वरण, ट्रैक ज्यामिति, रोलिंग स्टॉक की स्थिरता, दोलन व्यवहार और वक्रों, टर्नआउट और ढालों के साथ अंतःक्रिया जैसे महत्वपूर्ण सवारी पैरामीटर दर्ज किए गए। ये माप उच्च गति के लिए ट्रैक और रोलिंग स्टॉक की सुरक्षा और उपयुक्तता का आकलन करने का आधार बनते हैं। एक बार जब यह खंड औपचारिक रूप से 130 किमी प्रति घंटे की गति से परिचालन के लिए प्रमाणित हो जाएगा, तो यात्रियों को यात्रा समय में कमी का लाभ मिलेगा, जबकि ट्रेनों की परिचालन दक्षता में सुधार होगा, जिससे रोलिंग स्टॉक का बेहतर उपयोग हो सकेगा और नेटवर्क की भीड़भाड़ कम होगी।

इससे पहले, चेन्नई सेंट्रल-गुडुर (134 किमी), चेन्नई सेंट्रल-अरक्कोणम-रेनीगुंटा (134.78 किमी) और अरक्कोणम-जोलारपेट्टई (144.54 किमी) खंडों में कुल 415 किमी की गति वृद्धि (110 से 130 किमी प्रति घंटा) का कार्य पूरा किया गया था। गौरतलब है कि गतिशीलता में सुधार के लिए, पिछले 3 वर्षों के दौरान, दक्षिण रेलवे ने 2794 किलोमीटर में फैले सभी संभव खंडों की गति को पहले के 80/90/100 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटे कर दिया है।

एचसीएल साइक्लोथॉन

बेंगलूरु में गुरुवार को एचसीएल साइक्लोथॉन के पहले एडिशन की घोषणा के साथ ही जर्सी का अनावरण सीएफएल के महासचिव मनिंदर पाल सिंह, एचसीएल ग्रुप के एवीपी और ब्रांड स्ट्रैटेजी प्रमुख रजत चंदोलिया और नौ बार इंडियन नेशनल चैम्पियन रहे नवीन जॉन ने मिलकर किया।

विकास के साथ-साथ विरासत के मूल मंत्र को आत्मसात् करते हुए राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को दे रही बढ़ावा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, निवेश और औद्योगिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों के साथ-साथ प्रभावी सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम से प्रदेश में पर्यटन से संबंधित निवेश प्रक्रियाएं सुगम हुई हैं। उन्होंने निवेशकों से प्रदेश में अधिक-से-अधिक निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार उन्हें हर संभव सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा गुरुवार को एक निजी होटल में प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में आयोजित पर्यटन विभाग की प्री-समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से भावनात्मक रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें राज्य के विकास में सहभागिता का भी मौका मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन के आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार शीघ्र नई पर्यटन नीति लाएगी। इसके अंतर्गत पर्यटक सुविधाओं, मार्केटिंग एवं प्रमोशन, मेले एवं त्योहार, डिजिटल एवं एआई, कौशल विकास, युवाओं को रोजगार और निवेश के कार्य पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस नीति की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित नीति कार्यान्वयन इकाई भी स्थापित की जाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटन एवं हॉस्पिटलिटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है। यह हमारी पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश है। भव्य किले, महल, हवेलियां, थार का मरुस्थल, वन्यजीव अभयारण्य, आस्था धाम और झीलों की उपलब्धता राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में निराला प्रदेश बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन का निरंतर विस्तार हो रहा है। इस वर्ष अगस्त तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी तथा करीब 12 लाख विदेशी पर्यटक आ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड-ब्रेकिंग हो चुकी है। इनमें पर्यटन क्षेत्र में कुल 1 हजार 702 एमओयू किए गए थे। उन्होंने कहा कि इन एमओयू से 1 लाख 44 हजार 625 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से लगभग 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। शर्मा ने कहा कि इनमें से 277 परियोजनाएं ग्राउंड-ब्रेकिंग चरण में प्रवेश कर चुकी हैं, जिनका प्रस्तावित निवेश 10 हजार करोड़ है। इनसे लगभग 16 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद 2.0 के अंतर्गत खाटूश्याम जी, करणी माता मंदिर, मालासेरी डूंगरी समेत अनेक धार्मिक स्थलों का विकास कार्य किया जा रहा है। वहीं, महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, ब्रज चौरासी परिक्रमा और कृष्ण गमन पथ जैसे परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण पर्यटन, वेलनेस टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, इको टूरिज्म और ट्राइबल टूरिज्म के विस्तार पर समर्पित होकर कार्य कर रही है। राजस्थान में कल्चरल, क्राफ्ट-कूजिन, वेडिंग, मेडिकल और फिल्म टूरिज्म भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शेखावटी क्षेत्र की ऐतिहासिक हवेलियों के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चुरू जिलों की 662 हवेलियों को पर्यटन के लिए संरक्षित किया जा रहा है, जिससे यहां पर्यटन बढ़ेगा।

विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बने प्राथमिकता : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राज्य के वित्त पोषित राजकीय विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक रैंकिंग में सुधार के लिए गंम्भीर होकर कार्य करे। उन्होंने इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अधिकाधिक जोर दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कुलगुरु चयन में यह विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि वे राज्य को उच्च शिक्षा में देश और विश्व में अग्रणी बनाए।

राज्यपाल बागड़े गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में नव निर्मित भवन ब्लॉक बी के लोकार्पण पश्चात आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने वाणिज्य विषय के अंतर्गत होने वाले कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जो वाणिज्य का अध्ययन करता है, वह नौकरी के लिए रुचि नहीं रखेगा। वह व्यवसाय करने में रुचि लेगा।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का नेक ग्रेड होना जरूरी है। विश्वविद्यालय में भवन और दूसरी सुविधाएं होना ठीक है, पर सबसे अधिक जरूरी है वहां शैक्षणिक गुणवत्ता। उन्होंने नैक ग्रेड लिए सभी विश्वविद्यालयों को प्रयास किए जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि पहले जो शिक्षा नीतियां थी, वे अंग्रेजों द्वारा स्थापित, उनकी सोच से जुड़ी हुई ही थी। नई शिक्षा नीति पूरी तरह से भारतीय है। उन्होंने विनोबा भावे को स्मरण किया और कहा कि उनका यह मानना था कि जिस दिन देश आजाद हुआ, राष्ट्र का झंडा बदला गया, उसी समय शिक्षा की पद्धति भी बदलनी चाहिए थी। बागड़े ने कहा कि लार्ड मैकाले चाहता था भारत सदा मानसिक रूप से गुलाम बना रहे। इसलिए ऐसी शिक्षा नीति बनाई जो देश के नैतिक बल को कमजोर करे।

उन्होंने कहा कि यूरोप में पहली यूनिवर्सिटी 1088 में बोलगना यूनिवर्सिटी बनी। उससे पांच सौ साल पहले हमारे यहां नालंदा और तक्षशिला यूनिवर्सिटी थी। दूर दूर से वहां विद्यार्थी पढ़ने आते थे।

वहां के दुर्लभ ज्ञान को नष्ट करने लिए बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को जला दिया। राज्यपाल ने कहा कि भारत ही वह राष्ट्र रहा है, जिसने शून्य का ज्ञान विश्व को दिया। इसी से विश्व को गणना करने की दृष्टि मिली।

समारोह में मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सराफ ने विश्वविद्यालय से अपने जुड़ाव की चर्चा करते हुए कहा कि यहीं से छात्र राजनीति में पहले महासचिव और बाद में विश्वविद्यालय अध्यक्ष बनने का अवसर मिला। इसलिए विश्वविद्यालय के विकास के प्रति वह दायित्व रखते हैं। उन्होंने कॉमर्स कॉलेज को दस लाख रुपए के आर्थिक सहयोग की घोषणा की। विधायक गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

किन्नर नीतू मौसी ने अपने खर्चे पर कराया सामूहिक विवाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। समाज में समरसता और मानवता की मिसाल पेश करते हुए भरतपुर की किन्नर नीतू मौसी ने इस बार भी अपने खर्च पर 10 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया। पिछले 15 वर्षों से लगातार गरीब और जरूरतमंद बेटियों के लिए यह अनोखी पहल नीतू मौसी कर रही हैं, जिससे समाज में प्यार, समानता और सहयोग का संदेश जाता है। नीतू मौसी हर साल गरीब परिवारों की बेटियों का 'पीला हाथ' करती हैं और विवाह समारोह का संपूर्ण खर्च स्वयं उठाती हैं। प्रत्येक जोड़े को गृहस्थी का पूरा सामान, सोने-चांदी के आभूषण और नए कपड़े दहेज के रूप में दिए जाते हैं, ताकि उनका नया जीवन सहज और खुशहाल हो। इस समारोह के माध्यम से नीतू मौसी राज्य सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ मुहिम को भी आगे बढ़ा रही हैं। उनका कहना है कि भ्रूण हत्या नहीं होनी चाहिए और बेटियों को दुनिया में आने देना चाहिए। जब बेटियां होंगी तभी समाज में विवाह जैसे पवित्र बंधन कायम रहेंगे। बेटी को कोख में मारोगे तो प्रकृति का संतुलन भी बिगड़ जाएगा, नीतू मौसी ने कहा।

कोतवाली इलाके से सभी 10 दूल्हे घोड़े पर बैठकर बारात के रूप में शहर में निकलें और मैरिज होम में विवाह संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि एक मुस्लिम बालिका का विवाह उसके धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार कराया गया, जबकि अन्य हिंदू जोड़ों का विवाह पंडितों द्वारा विधि-विधान से संपन्न हुआ। सामाजिक सौहार्द, बेटी सम्मान और मानवता का यह अद्भुत संगम भरतपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है। नीतू मौसी द्वारा वर्षों से किए जा रहे इस योगदान ने उन्हें समाज में सेवा और समर्पण का प्रतीक बना दिया है।

किसानों को उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति हेतु राज्य सरकार के सशक्त प्रयास : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य के कृषकों को समयबद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की इलेक्ट्रॉन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने पंत कृषि भवन में मीडिया से रूबरू होकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। राज्य सरकार किसानों को उर्वरकों की निर्बाध रूप से पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं तथा जिन जिलों में यूरिया व डीएपी की कमी की स्थिति बनी है वहां तत्काल प्रभाव से पूर्ति करवायी जा रही है।

डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि प्रदेश में समय पर हुई पर्याप्त वर्षा तथा अक्टूबर माह में दो बार असामयिक वर्षा से भूमि में नमी की उपलब्धता बढ़ी, जिससे कृषकों द्वारा अग्रिम बुवाई में तेजी आई। इस वर्ष 26 नवम्बर तक गत वर्ष की तुलना में 9 लाख हैक्टेयर अधिक क्षेत्र में बुवाई की जा चुकी है। वहीं तिलहनी फसलों में 34 लाख हैक्टेयर एवं खाद्यान्न फसलों में 29 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम सिंचाई के साथ यूरिया की टॉप ड्रेसिंग भी की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप यूरिया की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा आवश्यकता से अधिक उर्वरक खरीदने की प्रवृत्ति भी मांग में वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। बावजूद इसके राज्य सरकार ने उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में कोई कमी नहीं रखी।

पिछले 2 वर्षों में डीएपी की औसत आपूर्ति 2.53 लाख मैट्रिक टन करायी जा चुकी है, जो पूर्व सरकार के 5 वर्षीय औसत से अधिक है।

कृषि मंत्री ने बताया कि रबी सीजन के पहले दो महीनों अक्टूबर व नवम्बर में 7.53 लाख मैट्रिक टन की मांग के विरुद्ध 9.15 लाख मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध करवा दिया गया है। इसके अतिरिक्त 24 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ति जारी है तथा आगामी दो दिनों में 31 हजार मैट्रिक टन यूरिया और उपलब्ध होने से माह के अंत तक कुल उपलब्धता 9.70 लाख मैट्रिक टन से अधिक हो जाएगी, जो मांग से 29 प्रतिशत अधिक है।

प्रदेश में अब तक लगभग 95 लाख हैक्टेयर में रबी फसलों की बुवाई हो चुकी है, जिसके अनुरूप लगभग 7 लाख मैट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता है, जबकि 9.15 लाख मैट्रिक टन पहले ही किसानों को उपलब्ध करवा दिया गया है और निरंतर आपूर्ति जारी है।

डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि विभाग द्वारा उर्वरकों का समान वितरण सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक विक्रय केंद्र पर विभागीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। किसानों को टोकन सिस्टम के माध्यम से उर्वरक वितरण करवाया जा रहा है। कई जिलों जैसे बांरा, झालावाड़, बूंदी, सवाईमाधोपुर, अलवर, भीलवाड़ा आदि में मांग से अधिक यूरिया की उपलब्धता करवाई गई है।

जेडीए ने 'शिव मंदिर' को अतिक्रमण का नोटिस भेजा, लोगों ने पूछा - जवाब कौन देगा?

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने सड़क चौड़ी करने के अभियान के तहत यहां एक 'शिव मंदिर' को अतिक्रमण का नोटिस जारी किया है, 21 नवंबर को जारी इस नोटिस में सात दिन में जवाब मांगा गया है।वहीं जेडीए के इस कदम से स्थानीय लोगों में गुस्सा है क्योंकि यह नोटिस मंदिर के किसी प्रबंधक या प्रबंधन संस्था के बजाय सीधे शिव मंदिर के नाम भेजा गया है। यह मंदिर वैशाली नगर में है। स्थानीय लोगों ने पूछा कि मंदिर की ओर से कौन जवाब देगा और जरूरी दस्तावेज कौन जमा करवाएगा। स्थानीय नागरिक विजय सिंह ने कहा कि नोटिस मंदिर के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार किसी व्यक्ति, संगठन या ट्रस्ट को भेजा जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा, मंदिर के नाम पर इसे जारी करना सही नहीं है। इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। वहीं जेडीए की प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई एक याचिका से जुड़े उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद की गई है। यहां गांधी पथ को चौड़ा करने के लिए जोन 7 के उपायुक्त द्वारा किए गए सर्वे में पाया गया कि मंदिर की चारदीवारी सड़क तक फैली हुई थी और इसे अतिक्रमण माना गया। उन्होंने कहा कि जेडीए ने कई घरों और दुकान मालिकों को भी नोटिस जारी किए हैं।

बाड़मेर जिले में पाकिस्तानी युवक पकड़ा गया: पुलिस

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक गांव में एक पाकिस्तानी युवक पकड़ा गया। अधिकारियों के अनुसार यह पाकिस्तानी युवक तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुस आया था। बाड़मेर के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि स्थानीय गांव वालों की सूचना पर युवक को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के मीठी इलाके के नयातला गांव का रहने वाला हिंदला (24) अंधेरे का फायदा उठाकर सीमा की तारबंदी पार करके भारतीय इलाके में करीब 200 मीटर अंदर आ गया था। वह बुधवार सुबह एक सीमावर्ती गांव में गाय के बाड़े में छिपा हुआ मिला।

जैन धर्म जीवन जीने की कला, 24 तीर्थंकरों ने मानव जाति को दिखाया सही मार्ग : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परम पूज्य सुंदर सागर जी महाराज ज्ञान और अहिंसा का दीपक जलाते हुए समाज का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उनका जीवन त्याग, तपस्या और करूणा का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी धर्मों के विकास और संरक्षण के लिए समर्पित है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे जैन मुनियों के उपदेशों को न केवल सुने, बल्कि उन्हें अपने जीवन में भी उतारें। शर्मा गुरूवार को सांगानेर कैम्प कार्यालय में आयोजित आचार्य सुंदर सागर जी महाराज की दिव्य देशना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन मुनियों का जीवन साधना से पूर्ण है, वे सांसारिक सुखों को त्याग कर आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि परम पूज्य सुंदर सागर जी महाराज के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सच्ची महानता विनम्रता, सच्ची शक्ति अहिंसा और सच्चा सुख त्याग में है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी संतो की पद वंदना करते हुए उनका हाथ थामे एसएफएस मानसरोवर स्थित आदिनाथ मंदिर से सांगानेर कैम्प कार्यालय के कार्यक्रम में लेकर आए। इस दौरान मार्ग में पुष्प वर्षा एवं बैंड वादन कर उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में शर्मा को 'मातृ भू सेवक' की मानद उपाधि से अलंकृत भी किया गया। इससे पहले शर्मा ने एसएफएस मानसरोवर स्थित आदिनाथ मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। इस धर्म के 24 तीर्थंकरों ने समय-समय पर मानव जाति को सही मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की सबसे बड़ी विशेषता 'अहिंसा परमो धर्म' है। ये एक वाक्य नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। आज पूरी दुनिया हिंसा से जूझ रही है और जैन धर्म का यह संदेश वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के पंच महाव्रत- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह आज की भौतिकतावादी दुनिया में महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। जैन धर्म हमें बताता है कि सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, आन्तरिक संतोष में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जैन धर्म के मूल्यों एवं शिक्षाओं को प्रसारित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जैन समाज के तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए सड़कें, पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। कार्यक्रम में शर्मा ने आचार्य सुंदर सागर महाराज के प्रवचनों का श्रवण भी किया। इस अवसर पर आचार्य सुंदर सागर जी महाराज, आचार्य शंशाक जी महाराज, सहकारिता राज्यमंत्री गौतम कुमार दक, जयपुर ग्रेटर उप महापौर पुनीत कर्णावत सहित जैन मुनि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शेखावाटी अंचल में पहुंचेगा यमुना जल, सरकार प्रतिबद्ध : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के लिए अतिमहत्वपूर्ण अपर यमुना रिव्यू कमेटी की 9वीं बैठक गुरुवार को नोएडा के यमुना भवन में हुई। इसमें राजस्थान से जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत शामिल हुए। बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भागीरथ प्रयासों से वर्षों से लंबित यमुना जल अपवर्तन कार्य को धरातल पर लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में अंतिम छोर तक जल उपलब्धता की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले ले रही हैं। यमुना जल की यह परियोजना राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने बताया कि फरवरी, 2024 में यमुना जल के सम्बंध में एक ऐतिहासिक एमओयू के अनुरूप हरियाणा और राजस्थान सरकार द्वारा संयुक्त टास्क फॉर्स का गठन किया गया। इस फॉर्स द्वारा ही डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल सीकर, चूरू, झुंझुनूं सहित आसपास के क्षेत्रों की जल सुरक्षा के लिए यमुना जल बेहद आवश्यक है।

जल संसाधन मंत्री ने केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को धन्यवाद दिया, जिनके अथक प्रयासों से यमुना जल शेखावटी अंचल तक लाने के कार्यों को गति मिली हैं। रावत ने बताया कि हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में यमुना एवं इसकी सहायक नदियों पर तीन परियोजनाएं-रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने तीनों परियोजनाओं में अपनी हिस्सेदारी की राशि स्वीकृत कर दी है, ताकि समयबद्ध कार्य पूरे हो सकें।

झारखंड सरकार का एक साल पूरा होने पर 10,000 युवाओं को नौकरी मिलेगी: हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगढ़/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार का एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में 28 नवंबर को 10,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

सोरेन ने पिछले साल 28 नवंबर को झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इससे पहले हुए विधानसभा चुनाव में सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 में से 56 सीट पर जीत हासिल की थी।

सोरेन ने रामगढ़ जिले के लुकैयाटांड़ मैदान में अपने दादा सोबरन सोरेन की 68वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, शुक्रवार को हमारी सरकार का एक वर्ष पूरा हो रहा है। इस मौके पर हम 10,000 से ज्यादा युवाओं को रोजगार देंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में स्वरोजगार के अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सरकार 2050 तक झारखंड को समृद्ध और दिल्ली, मुंबई तथा गुजरात से भी बेहतर बनाने के विजन पर काम कर रही है।

सोरेन ने लोगों से एकजुट होकर राज्य के समग्र विकास में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं कहता रहा हूं कि हमारी सरकार रांची से नहीं, बल्कि गांवों से काम करती है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है और किसानों को समृद्ध बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक होना चाहिए ताकि वे उनका लाभ उठा सकें। हमें बिचौलियों के लिए दरवाजे बंद करने होंगे और इसके लिए मुझे लोगों के समर्थन की जरूरत है।

विदेशी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए ‘भारत विरोधी’ विमर्श गढ़ रहे हैं राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर और अन्य देशों में स्थित सोशल मीडिया अकाउंट राहुल गांधी और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र के इशारे पर भारत विरोधी माहौल बना रहे हैं। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का 'एक्स' अकाउंट भी अमेरिका में स्थित है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने विभिन्न 'एक्स' अकाउंट दिखाए, जिनके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि वे विदेश से बनाए गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर चुनाव आयोग, भाजपा-आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया अभियान का प्रदर्शन किया।

इन आरोपों पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

पात्रा ने कहा, 2014 से ही कांग्रेस खासकर राहुल गांधी, उनकी सोशल मीडिया और सलाहकार टीम और वामपंथी दलों के जाने-माने चेहरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, इसके लिए उन्होंने विदेशी ताकतों की मदद लेने से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर और अमेरिका समेत कई देशों में 'एक्स' पर अपने अकाउंट बनाने का भी आरोप लगाया ताकि भारत में भाजपा-आरएसएस और मोदी सरकार के खिलाफ एक विमर्श गढ़ा जा सके। पात्रा ने कहा, यह बात तब सामने आई है जब कुछ दिन पहले 'एक्स' ने एक नया फीचर पेश किया है जिसके जरिए खाताधारकों की लोकेशन, खाता बनाने की तारीख व अन्य जानकारियां मिल सकती हैं।

इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि इस फीचर का इस्तेमाल करने के बाद, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का 'एक्स' अकाउंट अमेरिका में पाया गया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र कांग्रेस का 'एक्स' अकाउंट आयरलैंड में स्थित है। अब उन्होंने इसे भारत में बदल दिया है। लेकिन जब यह अकाउंट बनाया गया था, तब यह आयरलैंड में स्थित था। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस का अकाउंट थाईलैंड एंड्रॉइड ऐप के जरिए जुड़ा है, हालांकि यह भारत में स्थित है।

भाजपा नेता ने कहा कि नए एक्स फीचर के आने के बाद कांग्रेस और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े कई 'एक्स' अकाउंटों के लोकेशन की जानकारी या तो भारत में बदल दी गई है या उसे छिपा दिया गया है।

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी, मजबूत वापसी का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी।

भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई श्रृंखला में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे।

भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस श्रृंखला के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, ''इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे।''

पंत ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। भारत को अब अगले साल तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है।

श्रम संहिताओं से ‘बंधुआ मजदूरी’ को बढ़ावा मिलेगा, सरकार तत्काल वापस ले : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही लागू चार श्रम संहिताओं को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि ये मजदूर विरोधी होने के साथ ‘बंधुआ मजदूरी’ को बढ़ावा देने वाली हैं। पार्टी के ‘असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस’ प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उदित राज ने कांग्रेस मुख्यालय ‘इंदिरा भवन’ में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि सरकार ने एक झटके में उन सभी कानूनों की ''हत्या कर दी'', जो पहले से मजदूरों के हित में मौजूद थे।

उदित राज ने कहा, ''मोदी सरकार द्वारा लाई गई चार नई श्रम संहिताओं का विरोध करते है और इसके विरोध में पूरे देश में आंदोलन होगा। ये श्रम संहिताएं मज़दूरों के अधिकारों को छीनती हैं, उनकी नौकरी की सुरक्षा खत्म करती हैं और ये सिर्फ कॉरपोरेट के हित में काम करती हैं।'' उनका कहना था, ''नई श्रम संहिताओं में निरीक्षण प्रणाली को कमजोर करने के कारण मजदूरों का शोषण बढ़ जाएगा और नियोक्ताओं को बहुत सारी कानूनी पाबंदियों से छूट मिल जाएगी। नई संहिता में ‘गिग वर्कर्स’ को केवल पंजीकरण तक सीमित कर दिया है तथा इसमें उनके लिए स्वास्थ्य बीमा या भविष्य निधि का प्रावधान नहीं हैं।''

मेघालय के मुख्यमंत्री और टीएमपी संस्थापक ने पूर्वोत्तर क्षेत्रीय दलों के बीच एकता का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा और टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के संस्थापक प्रद्योत माणिक्य देबबर्मा ने क्षेत्र के प्रभाव में वृद्धि के लिए पूर्वोत्तर के क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने की बृहस्पतिवार को मांग की।

यहां ‘वन नॉर्थ ईस्ट यूनिटी’ रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय नेताओं के लिए क्षेत्रीय दलों का कोई महत्व नहीं है। संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और टीएमपी क्रमशः मेघालय और त्रिपुरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल हैं।

पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों के नेताओं ने चार नवंबर को नई दिल्ली में संयुक्त रूप से घोषणा की थी कि वे क्षेत्र के मुद्दों को उठाने के लिए अगले 45 दिनों में एकल राजनीतिक दल का गठन करेंगे और इसके करीब तीन सप्ताह बाद बृहस्पतिवार को यह रैली आयोजित की गई। संगमा, देबबर्मा, नगालैंड के पूर्व मंत्री डैनियल लंगथासा और कई अन्य लोग ‘वन नॉर्थ ईस्ट’ नामक प्रस्तावित दल का हिस्सा हैं।

संगमा, देबबर्मा और लंगथासा के अलावा, पीपुल्स पार्टी (असम) के नेता अजॉय एडवर्ड्स, भारतीय गोरखा जनशक्ति फ्रंट के संस्थापक आरके मेघन और क्षेत्र के कई अन्य नेता रैली में शामिल हुए। संगमा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों के बीच विभाजन के कारण पूर्वोत्तर की आवाज़ उतनी मज़बूत नहीं रही जितनी उम्मीद थी। हम अलग-अलग रास्तों पर चल रहे हैं और आज की स्थिति हमारे पूर्वजों की तुलना में अलग है।'' मेघालय के मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होना होगा और अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का सामना करना होगा। जब पूर्वोत्तर के लोग अपने देश में ही जाति और धर्म के नाम पर भेदभाव का सामना करते हैं तब हमें बहुत बुरा लगता है।''

राष्ट्रीय दलों पर हमला बोलते हुए देबबर्मा ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय दलों का उनके लिए कोई महत्व नहीं है। उन्होंने दावा किया, ''असम गण परिषद, शिरोमणि अकाली दल, शिवसेना और बीजू जनता दल जैसी पार्टियों को राष्ट्रीय दलों के साथ गठबंधन के कारण नुकसान उठाना पड़ा है। किसी क्षेत्रीय पार्टी के मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय नेताओं से मिलने के लिए 10 दिन लगते हैं।'' एनपीपी के कार्यकारी अध्यक्ष मोहोनलुमो किकोन और मणिपुर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हेमोचंद्र सिंह ने भी रैली को संबोधित किया।

असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई की गाड़ी बृहस्पतिवार को यहां दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि वह हादसे में बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गोगोई ने बताया कि वह शहर में यात्रा कर रहे थे, तभी उनके चालक की अचानक तबीयत खराब हो गई और वह गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे गाड़ी अटकते हुए सड़क किनारे जाकर रुक गई। कांग्रेस नेता ने कहा, चालक को मामूली चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर और खतरे से बाहर बताई गई है।

गोगोई ने कहा कि उन्हें कोई चोट नहीं आई है और चिंता की कोई बात नहीं है। कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस घटना पर अपनी चिंता व्यक्त की, लेकिन शुक्र है कि मैं सुरक्षित हूं और चिंता की कोई बात नहीं है।

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है।

विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है। शर्मा के पास गृह और राजनीतिक विभागों का भी प्रभार है। उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है।

शर्मा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

बिहार में 1300 माफियाओं की संपत्तियां कुर्क करने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में नई सरकार के गठन के बाद संगठित अपराध और माफिया नेटवर्क के खिलाफ व्यापक अभियान तेज हो गया है।

राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि अपराधियों को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए बड़े पैमाने पर अवैध संपत्तियां कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की गई है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष दस्ते गठित किए जा रहे हैं।

डीजीपी ने बताया कि पिछले कुछ महीने में 400 कुख्यात अपराधियों की अवैध संपत्तियों को कुर्क करने के प्रस्ताव न्यायालय भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लगभग 1,300 और आरोपियों की पहचान कर ली गई है, जिनकी संपत्तियों से संबंधित सभी दस्तावेज एकत्र किए जा रहे हैं और जल्द ही इन्हें भी कानूनी कुर्की की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

कुमार ने कहा, शराब, बालू और जमीन माफिया के साथ-साथ भाड़े के हत्यारों और संगठित अपराध से जुड़े कई बड़े नामों को इस सूची में शामिल किया गया है। सरकार का स्पष्ट मानना है कि गिरफ्तारी से आगे बढ़कर अपराध की आर्थिक व्यवस्था प्रहार किए बिना आपराधिक नेटवर्क को खत्म नहीं किया जा सकता।

डीजीपी ने कहा कि अपराधियों की संपत्ति कुर्क किए जाने से उनके फंडिंग नेटवर्क, प्रभाव और आपराधिक गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह कदम कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार की प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि राज्य में ‘एंटी-रोमियो’ की तर्ज पर एक विशेष महिला दस्ते गठित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए इस वर्ष 2,000 स्कूटी खरीदी जा रही हैं, जिन पर महिला पुलिसकर्मी स्कूल और कॉलेजों के आसपास नियमित गश्त करेंगी। उन्होंने कहा, लड़कियों के साथ छेड़छाड़, पीछा करने और उत्पीड़न की किसी भी घटना पर अब तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर महिलाओं को परेशान करने वालों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति लागू की जाएगी।

बिहार में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और मजबूती से काम करेगी राजग सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में राजग सरकार के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में शाह से मुलाकात की, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की।

शाह ने ‘एक्स’ पर लिखा, बिहार की जनता ने राजग को भारी बहुमत दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, सरकार सुशासन सुनिश्चित करने और विकसित बिहार के 'विजन' को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी।

पिछली कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे चौधरी को इस बार भी उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

विधानसभा चुनावों में 243 में से 202 सीट पर राजग की जीत के बाद उन्हें राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता भी चुना गया। चुनाव में राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 सीट जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नए मंत्रिमंडल में पार्टी के 14 मंत्री बनाए गए हैं।

सरकार का लक्ष्य सुशासन की नीति का पालन कर बिहार को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को अणे मार्ग पर स्थित आवास पर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग और निगरानी विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभागों के कार्यों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करें और सरकार की प्राथमिकताओं के आधार पर कार्यों को तेजी से पूरा करें। उन्होंने कहा, राज्य में भ्रष्टाचार को खत्म करने में निगरानी विभाग कड़ी, पारदर्शी और सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हमारा लक्ष्य न्याय के साथ विकास करना है और सुशासन की नीति का पालन कर राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सुशासन और पारदर्शिता के साथ सरकार की योजनाओं को लागू करें ताकि आम जनता को इसका सीधा और त्वरित लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक के दौरान मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग और निगरानी विभाग के विशेष सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग एवं निगरानी विभाग के विशेष सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी क्षितिज विजय सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के विशेष सचिव नीरज राजपूत समेत विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन, कहा

कोच क्या कर सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है।

भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है।

अश्विन ने हालांकि इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें हटाया नहीं जाना चाहिए। गंभीर का कार्यकाल 2027 तक है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब कार्यक्रम ‘ऐश की बात’ में कहा, ''हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। यह एक खेल है। टीम का प्रबंधन करना इतना आसान नहीं होता है और उन्हें भी इस परिणाम से निराशा है। हमें यह समझना होगा। किसी को बर्खास्त करना अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' यह किसी का समर्थन करने की बात नहीं है। गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है। मैं भी 10 गलतियां गिना सकता हूं। कोई भी गलती कर सकता है लेकिन कभी कभार गलतियां महंगी पड़ जाती हैं।''

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास ले चुके अश्विन ने कहा कि अतीत में भारत के शानदार घरेलू रिकॉर्ड को देखते हुए वह भी जिम्मेदारी तय करने की जरूरत को समझते हैं, लेकिन केवल कोच को निशाना बनाना और खिलाड़ियों से सवाल न पूछना अनुचित है। उन्होंने कहा, ''हम जिम्मेदारी तय करना चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ हासिल करने को है और इसमें बहुत धनराशि भी शामिल है। बहुत से लोग यह पद हासिल करना चाहते हैं। हमेशा ऐसे लोग मौजूद रहेंगे जो इस पद के लिए आवेदन करना चाहेंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि एक कोच बल्ला उठाकर खेलने नहीं जा सकता।''

अश्विन ने कहा, ''मैं आपसे एक आसान सा सवाल कर रहा हूं कि एक कोच क्या कर सकता है। खुद को कोच की जगह रखकर देखिए। आप कह सकते हैं कि एक खिलाड़ी को निरंतरता की ज़रूरत होती है और इसमें काफ़ी बदलाव हुए हैं। मैं इससे सहमत हूं लेकिन अच्छा प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी खिलाड़ी की होती है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने ज़्यादा खिलाड़ियों को इतनी ज़िम्मेदारी लेते नहीं देखा जिससे कि मैं कह सकूं कि कोच के साथ ही कुछ समस्या है। खिलाड़ियों ने ऐसा कोई प्रदर्शन नहीं किया जिससे कि फैसले लेने वाले को ही दोषी माना जाए।

सुविचार

किसी ने तकलीफ दिया है तो, उस पर ध्यान मत दो, जितना आप उसी बारे में सोचोगे तो तकलीफ ही होगी, अगर उस पर ध्यान न देकर उससे कुछ सीखते हैं तो, आपको जिंदगी में आगे ले जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईएसआई के निशाने पर उच्च शिक्षित युवा

दिल्ली में लाल किले के पास कार धमाका मामले में कई डॉक्टरों की संलिप्तता पाए जाने के बाद गुरुग्राम में आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में एक अधिवक्ता की गिरफ्तारी से पता चलता है कि भारत के उच्च शिक्षित युवाओं को बरगलाने के लिए पाकिस्तान बड़े स्तर पर साजिशें रच रहा है। उक्त अधिवक्ता कथित तौर पर पाकिस्तान में आईएसआई के आकाओं से जुड़े हवाला चैनलों के ज़रिए करोड़ों रुपए भारत लाया था। यही नहीं, उसने कथित तौर पर इस धन को आतंकवादी गतिविधियों, जासूसी और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए इस्तेमाल किया था। यह शख्स गुरुग्राम अदालत में वकालत करता है। इस साल मेवात क्षेत्र में पाकिस्तान के लिए जासूसी से जुड़ी यह तीसरी गिरफ्तारी है। भारतीय एजेंसियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी कई जासूसों को गिरफ्तार किया था, जिनमें कुछ मशहूर यूट्यूबर थे। पहले, आईएसआई कम पढ़े-लिखे लोगों को अपने जाल में फंसाती थी। अब वह उच्च शिक्षित भारतीय नागरिकों को एजेंट बनाकर उन्हें देश के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है। इसमें सोशल मीडिया बड़ी भूमिका निभा रहा है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब लोगों को फेसबुक, वॉटसऐप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने ही देश के खिलाफ अपराध करने के लिए उकसाया गया था। यह तो भारतीय एजेंसियों की सतर्कता ही थी, जिनकी वजह से वे पकड़े गए। अन्यथा देश को भारी नुकसान हो सकता था। आईएसआई भारत में जासूसी कराने के लिए हनीट्रैप का प्रयोग कर रही है। आश्चर्य की बात है कि इस जाल में सामान्य नागरिक से लेकर अत्यंत प्रतिष्ठित वैज्ञानिक भी फंस गए थे!

यह एक ऐसा हथियार है, जो ज्यादातर जगह खाली नहीं जाता। लोग इसके शिकार जरूर हो जाते हैं। भारतीय एजेंसियों को अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए ऐसे सोशल मीडिया अकाउंटों पर खास नजर रखनी चाहिए, जिनसे भारतीय युवा ज्यादा जुड़ रहे हैं। अब ऐसे अकाउंटों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिन पर एआई द्वारा बनाई गई सामग्री प्रस्तुत की जाती है। उन्हें देखकर असलियत का पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। आश्चर्य की बात है कि उन पर टिप्पणियां करने वाले लोगों में ज्यादातर भारतीय युवा होते हैं। क्या वे नहीं जानते कि यह एक ऐसा जाल है, जो उन्हें शिकार बनाने के लिए बिछाया गया है? एक चैनल, जिसका संचालन पाकिस्तान से किया जा रहा है, पर ग्रामीण परिवेश, सुंदर युवतियों आदि से संबंधित सामग्री की भरमार है। वहां दर्जनों भारतीय युवा टिप्पणियां कर उन युवतियों की तारीफों के पुल बांध रहे हैं। कुछ तो विवाह का प्रस्ताव भेज रहे हैं, जबकि चैनल पर दिखाई दे रही सामग्री का हकीकत से कोई संबंध नहीं है। क्या ऐसे युवाओं को भारत के खिलाफ जासूसी के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता? भारतीय नागरिकों को सोशल मीडिया पर ज्यादा जागरूक होने की जरूरत है। बिल्कुल ही अनजान लोगों से दोस्ती करना बहुत महंगा पड़ सकता है। सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म पर हमेशा सावधान रहना चाहिए। कोई बहुत ज्यादा तारीफ करे और भावनात्मक दबाव डाले तो समझना चाहिए कि कुछ-न-कुछ गड़बड़ है। सरकारी और संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को ज्यादा सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि उनके पास ऐसी जानकारी होती है, जो दुश्मन के हाथ लगने से राष्ट्रीय हित प्रभावित हो सकते हैं। हर नागरिक खुद को भारत मां का प्रहरी समझे और दुश्मन की चालों से अवगत रहे।

ट्वीटर टॉक

यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि संविधान दिवस पर पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह हमारे संविधान निर्माण में उनके अविस्मरणीय योगदान को समर्पित एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

-अर्जुनराम मेघवाल

टोक्यो में आयोजित 25वें समर डेफलिंपिक्स 2025 में हमारे डेफलिम्पियन्स ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। 9 स्वर्ण सहित कुल 20 पदक जीतकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपने जज़्बे, मेहनत और अटूट संकल्प का शानदार प्रमाण दिया है।

-दिया कुमारी

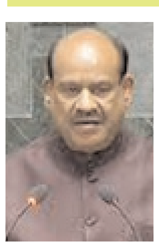

आज एआई डेटा एनालिटिक्स और फेसलेस असेसमेंट ने टैक्स प्रशासन को और अधिक पारदर्शी व करदाता-सम्मान आधारित बनाया है। आर्थिक अपराधों की रोकथाम, व्यापार को सुगम बनाना और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना आईआरएस की अहम भूमिका है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता से ज्ञान

युवावस्था में बेंजामिन फ्रेंकलिन अत्यंत तेज बुद्धि वाले थे, लेकिन उनमें थोड़ा अहंकार भी था। एक दिन उनके एक अनुभवी मित्र ने कहा, 'बेंजामिन, तुम्हारी वाणी में आग है, पर दीपक की रोशनी नहीं।' फ्रेंकलिन चौंक गए और पूछे, 'इसका क्या अर्थ है?' मित्र मुस्कुराए और बोले, 'जो व्यक्ति हर समय जीतने की इच्छा करता है, वह लोगों के दिलों को हार जाता है। ज्ञान तब तक अधूरा है, जब तक उसमें विनम्रता का रंग न हो।' यह बात फ्रेंकलिन ने गंभीरता से सुनी और निर्णय लिया कि उन्हें अपने स्वभाव को बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने अपनी डायरी में एक जीवन सिद्धांत लिखा: 'मैं बोलने से अधिक सुनूंगा।' कुछ महीनों बाद, संसद में एक महत्वपूर्ण बैठक हो रही थी। कई नेता एक-दूसरे की बात काटकर चिल्ला रहे थे, लेकिन कोई भी समाधान नहीं ढूंढ़ पा रहा था। फ्रेंकलिन चुपचाप सबकी बातें सुनते रहे, फिर बहुत शांति से बोले, 'यदि हम सब एक-दूसरे की बात सुन लें, तो समाधान स्वयं रास्ता खोज लेगा।' कमरा अचानक शांत हो गया। लोगों ने पहली बार उनके शब्दों में गहराई महसूस की। बैठक के बाद, एक नेता उनके पास आया और कहा, 'आज समझ में आया कि सबसे मजबूत आवाज़ वह नहीं होती जो चिल्लाती है, बल्कि वह होती है जो समझाती है।'

प्रधानमंत्री का जनता को संदेश

सामयिक

इस वर्ष संविधान दिवस कई कारणों से है विशेष

नरेन्द्र मोदी

26 नवंबर हर भारतीय के लिए बहुत गौरवशाली दिन है। इसी दिन 1949 में संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। इसलिए एक दशक पहले, साल 2015 में एनडीए सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। हमारा संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है, जो निरंतर देश के विकास का सच्चा मार्गदर्शक बना हुआ है। ये भारत के संविधान की ही शक्ति है जिसने मुझ जैसे गरीब परिवार से निकले साधारण व्यक्ति को प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचाया है। संविधान की वजह से मुझे 24 वर्षों से निरंतर सरकार के मुखिया के तौर पर काम करने का अवसर मिला है। मुझे याद है, साल 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश कर रहा था, तो सीढ़ियों पर सिर झुकाकर मैंने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को नमन किया। साल 2019 में जब चुनाव परिणाम के बाद मैं संसद के सेंट्रल हॉल में गया था, तो सहज ही मैंने संविधान को सिर माथे लगा लिया था।

संविधान दिवस पर हम डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद समेत उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करते हैं, जिन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में अपना अहम योगदान दिया है। डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर की भूमिका को भी हम सभी याद करते हैं, जिन्होंने असाधारण दूरदृष्टि के साथ इस प्रक्रिया का निरंतर मार्गदर्शन किया। संविधान सभा में कई प्रतिष्ठित महिला सदस्य भी थीं, जिन्होंने अपने प्रखर विचारों और दृष्टिकोण से हमारे संविधान को समृद्ध बनाया। साल 2010 में जब संविधान के 60 वर्ष हुए थे, तब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था। हमने संविधान के प्रति कृतज्ञता और निष्ठा प्रकट करने के लिए एक प्रयास किया। 2010 के उस साल में गुजरात में 'संविधान गौरव यात्रा' निकाली गई थी। इस पवित्र ग्रंथ की प्रतिकृति को एक हाथी के ऊपर रखकर मैंने उस भव्य यात्रा की अगुवाई की थी। जब संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए, तो ये हमारी सरकार के लिए ऐतिहासिक अवसर बनकर आया। हमें देशभर में विशेष अभियान चलाने का सौभाग्य मिला। संविधान के 75 वर्ष होने पर हमारी सरकार ने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया और राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान भी चलाया। ये अभियान जन-भागीदारी का बड़ा उत्सव बन गया।

इस वर्ष का संविधान दिवस कई कारणों से विशेष है: यह वर्ष सरदार पटेल जी और भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती का है। सरदार पटेल जी के नेतृत्व और सूझबूझ ने देश का राजनीतिक एकीकरण सुनिश्चित किया। ये सरदार पटेल जी की ही प्रेरणा है जिसने हमारी सरकार को जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 की दीवार गिराने के लिए प्रेरित किया। आर्टिकल 370 हटने के बाद वहां भारत का संविधान पूरी तरह लागू हो गया है और लोगों को संविधान प्रदत्त सभी अधिकार मिले हैं। भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन आज भी हमें जनजातीय समुदाय के लिए न्याय, गरिमा और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है। इस साल हम वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मना रहे हैं। वंदे मातरम हर दौर में प्रासंगिक रहा है। इसके शब्दों में हम भारतीयों के सामूहिक संकल्प की गूंज निरंतर सुनाई देती रही है। इस वर्ष हम श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के 350वें वर्ष को भी मना रहे हैं। उनका जीवन और शहादत की गाथा आज भी हमें प्रेरित करती है।

इन सभी का जीवन हमें उस कर्तव्य को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है, जिसे हमारे संविधान ने भी सबसे अहम बताया है। हमारे संविधान का आर्टिकल 51- मौलिक कर्तव्यों को समर्पित है। ये कर्तव्य हमें सामाजिक और आर्थिक प्रगति प्राप्त करने का रास्ता दिखाते हैं। महात्मा गांधी ने हमेशा नागरिकों के कर्तव्यों पर बल दिया था। वे मानते थे कि जब हम ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तो हमें अधिकार भी स्वत: मिल जाते हैं। देखते ही देखते इस सदी के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। अब आने वाला समय हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण है। साल 2047 तक आजादी के 100 वर्ष हो जाएंगे। साल 2049 में संविधान निर्माण के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। हम आज जो नीतियां बनाएंगे, जो निर्णय लेंगे, उसका प्रभाव आने वाले वर्षों पर...आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है इसलिए हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखते हुए ही आगे बढ़ना है

हमें राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना होगा। देश ने हमें कितना कुछ दिया है। इसके लिए हम सबके मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। जब हम इस भावना से जीवन जीते हैं, तो कर्तव्य अपने आप जीवन का स्वभाव बन जाता है। अपना कर्तव्य पूरा करने के लिए हमें अपने हर काम को पूरी क्षमता और पूरी निष्ठा से करने का प्रयास करना होगा। हमारा हर कार्य संविधान की शक्ति बढ़ाने वाला हो। हमारा हर कार्य देशहित से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने वाला हो। हमारे संविधान निर्माताओं ने जो सपने देखे थे, उन्हें पूरा करने का दायित्व हम सबका है। जब हम अपने काम को कर्तव्य की भावना के साथ करेंगे तो देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति कई गुना बढ़ जाएगी। संविधान ने हमें मतदान का अधिकार दिया है। एक नागरिक के तौर पर हमारा कर्तव्य है कि मतदान का कोई अवसर छोड़े नहीं। हमें 26 नवंबर को स्कूलों में, कॉलेजों में उन युवाओं के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित करने चाहिए, जो 18 वर्ष के हो रहे हैं। हमें उन्हें यह महसूस कराना चाहिए कि वे अब केवल छात्र या छात्रा नहीं, बल्कि नीति निर्माण की प्रक्रिया के सक्रिय सहभागी हैं। स्कूलों में हर वर्ष 26 नवंबर को फर्स्ट-टाइम वोटर्स का सम्मान करने की परंपरा विकसित होनी चाहिए। जब हम इस तरह युवाओं में जिम्मेदारी और गर्व का भाव जगाएंगे, तो वे जीवनभर लोकतंत्र के मूल्यों के प्रति समर्पित रहेंगे। यही समर्पण एक सशक्त राष्ट्र की नींव बनता है। इस संविधान दिवस पर हम अपने महान राष्ट्र के कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का पालन करने का संकल्प दोहराएं। ऐसा करके ही हम विकसित और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकेंगे।

मुद्दा

दूध : स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक तत्व

ई. प्रभात किशोर
मोबाइल : 8544128428

दूध हमारे भोजन का एक प्रमुख हिस्सा है। इसे सम्पूर्ण भोजन भी माना जाता है। यह विटामिन ए, बी 2, डी, बी 12, कार्बोहाइड्रेट, पोटाशियम, मैग्निशियम, फास्फोरस, प्रोटीन का प्रमुख स्रोत है। आर्युवेदिक चिकित्सा पद्धति में विभिन्न असाध्य रोगों के निदान हेतु प्रयुक्त पंचगव्य के पांच तत्वों में तीन तत्व दूध तथा उसके उत्पाद क्रमश: दही एवं घी हैं। गाय के दूध में 87 प्रतिशत जल होता है जबकि शेष 13 प्रतिशत में प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइट्रेट, विटामिन एवं अन्य पोषक खनिज पदार्थ मौजूद होते हैं। विटामिन ए और बी आंख एवं लाल रक्त कणिकाओं के निर्माण हेतु, बी 12 तंत्रिकाओं की उचित कार्यप्रणाली के लिए, मैगनिशियम मांसपेशियों की कार्यप्रणाली के लिए, फास्फोरस उर्जा प्रदान करने के लिए, प्रोटीन शरीर के विकास एवं मरम्मत के लिए, कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों की मजबूती एवं सुरक्षा हेतु आवश्यक होते हैं। सोडियम की मात्रा कम होने और पोटेशियम के कारण दूध रक्तचाप को सामान्य बनाए रखता है। दूध शरीर के कोलस्ट्रॉल को निष्प्रभावी कर देता है। यह कैंसर की आशंका को 35 प्रतिशत तक कम कर देता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन के अनुसार मानव शरीर को प्रति दिन 1000 से 1200 मिलीग्राम कैल्सियम की आवश्यकता होती है और दूध कैल्शियम का प्रमुख स्रोत है।

दूध में अनेक पोषक तत्व उपलब्ध होते हैं, जो चमकती त्वचा के लिए आवश्यक है। इसमें उपलब्ध लैक्टिस एसिड जहां त्वचा को मुलायम रखता है, वहीं एंटी- ऑक्सीडेंटस पर्यावरण के विषैले प्रभाव से रक्षा करते हैं। दूध एवं दूध-उत्पाद कैल्सियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य और विकास के लिए आवश्यक हैं। प्रति दिन एक गिलास दूध का सेवन हमारे लिए उपयोगी है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका कम हो जाती है। दूध में दो प्रकार के प्रोटीन होते हैं। कुल प्रोटीन का 80 प्रतिशत कैसीन और 20 प्रतिशत व्हे होता है। कैसीन दांतों के लिए उपयोगी है, क्योंकि यह दांतों के इनेमल पर पतली पर्त बना लेता है, जो दांतों और मसूढ़ों को स्वस्थ रखने में सहायक होता है।

दूध में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों को शक्तिशाली बनाता है। व्यायाम के पश्चात दूध पीने पर कोशिकाओं में होने वाली टूट-फूट की मरम्मत हेतु शरीर को आवश्यक उर्जा प्राप्त होती है। साथ हीं यह वर्क-आउट के कारण शरीर में आई द्रव्य की कमी की पूर्ति भी करता है। रात्रि में सोने के पूर्व दूध पीने पर मांसपेशियों और नसों को आराम मिलता है और नींद अच्छी आती है। दूध में मौजूद कैल्शियम, पोटेशियम और प्रोटीन रक्तचाप को संतुलित रखते हैं जिससे स्ट्रोक की संभावना कम हो जाती है। दूध कार्डियो वैस्कूलर बीमारियों का खतरा कम करता है। यह विटामिन बी 12 की प्रचुरता के कारण मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को भी दुरूस्त रखता है। भारत विश्व का सबसे अधिक दूध उत्पादक और उपभोग करने वाला देश है।

विश्व का लगभग 24 प्रतिशत दूध का उत्पादन भारत में होता है। विगत आठ वर्षों में भारत में दूध के उत्पादन में 51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। वर्ष 2024 में भारत में 21.17 करोड़ टन दूध का उत्पादन हुआ। स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में स्वस्थ नागरिक के भोज्य पदार्थ में दूध की अहम भूमिका है और विश्व दुग्ध दिवस मानव समाज को इस दिशा में सकारात्मक पहल करने हेतु प्रेरित करता है।

नजरिया

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताज़ा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेज़ी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेज़ी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो 'बुकलेट्स' और 'शिकायतें' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनगिनत यादें रह गईं: धर्मेंद्र के निधन के बाद हेमा मालिनी की पहली पोस्ट

मुंबई/भाषा

प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने बृहस्पतिवार को अपने दिवंगत पति धर्मेंद्र को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र उनके लिए 'सब कुछ' थे- एक साथी, मार्गदर्शक और मित्र, जिनके निधन से कभी नहीं भर पाने वाला शून्य पैदा हो गया है। सोमवार को धर्मेंद्र (89) के निधन के बाद अपनी पहली पोस्ट में हेमा मालिनी (77) ने उन्हें एक प्यार करने वाले पति, अपनी बेटियों ईशा और अहाना के स्नेही पिता और एक ऐसे गर्मजोशी भरे व्यक्ति के रूप में याद किया, जो पूरे परिवार को प्रिय थे। पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, धर्म जी मेरे लिए बहुत कुछ थे। प्यार करने वाले पति, हमारी दो बेटियों- ईशा और अहाना के स्नेही पिता, मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक, कवि, जरूरत के समय मेरी मदद करने वाले- वास्तव में, वह मेरे लिए सब कुछ थे! वह अच्छे और बुरे समय में हमेशा मेरे साथ रहे।

हेमा मालिनी ने लिखा, उन्होंने अपने सहज, मिलनसार व्यवहार से मेरे परिवार के सभी सदस्यों का स्नेह जीता और हमेशा उन सबमें अपनापन और रुचि दिखाई। धर्मेंद्र के साथ 'शोले', 'सीता और गीता' तथा 'प्रतिज्ञा' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री ने कहा, मेरे निजी नुकसान को बयां नहीं किया जा सकता और उनके जाने से पैदा हुआ शून्य जीवनभर बना रहेगा। उन्होंने कहा, वर्षों तक साथ रहने के बाद, मेरे पास कई खास पलों को फिर से जीने के लिए उनकी अनगिनत यादें रह गई हैं...।

हेमा मालिनी ने कहा कि अपार लोकप्रियता के बावजूद उनकी प्रतिभा और विनम्रता ने उन्हें महान हस्तियों के बीच एक अद्वितीय प्रतीक के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा, फिल्म उद्योग में उनकी चिरस्थायी प्रसिद्धि और उपलब्धियां हमेशा कायम रहेंगी। धर्मेंद्र यदि जीवित होते तो आगामी आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते। वह कुछ समय से अस्वस्थ थे। परिवार ने उनके निधन के बारे में अंत तक चुप्पी साधे रखी और मुंबई के विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

गौरतलब है कि 11 नवंबर को कई मीडिया संस्थानों ने उनके निधन की झूठी खबर प्रकाशित की थी, जिस पर हेमा मालिनी ने कड़ी आपत्ति जताई थी। उस समय उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया था: जो हो रहा है वह अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल एक ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जिसे उपचार का लाभ हो रहा हो और जो ठीक हो रहा हो? यह बेहद अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना है।

गिनी बिसाऊ के सैनिकों ने जनरल होर्ता एनटा को देश का सैन्य शासक घोषित किया

बिसाऊ (गिनी-बिसाऊ)/एपी

गिनी-बिसाऊ के सैनिकों ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता पर अपने जबरन कब्जे को मजबूत करते हुए बृहस्पतिवार को देश के नए सैन्य शासक की घोषणा की। सरकारी टीवी पर दी गई जानकारी के अनुसार सेना के शीर्ष नेतृत्व ने जनरल होर्ता एनटा को सैन्य शासन का प्रमुख घोषित किया। एनटा तख्तापलट के समय सेना प्रमुख थे और अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिकोसो एम्बालो के करीबी थे। बृहस्पतिवार को एम्बालो के ठिकाने का कुछ पता नहीं चल पाया। उन्होंने फ्रांसीसी मीडिया को बुधवार को बताया था कि सैनिकों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान राष्ट्रपति भवन के निकट गोलियां चलने की आवाज भी सुनी गईं। विपक्ष ने एम्बालो पर आरोप लगाया कि उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में करीबी मुकाबले में अपनी हार से बचने के लिए तख्तापलट की साजिश रची थी। एम्बालो के प्रतिद्वंद्वी फर्नांडो डियास के अनुसार सैन्य तख्तापलट और एम्बालो की कथित गिरफ्तारी बृहस्पतिवार को अपेक्षित मतगणना को प्रभावित करने के लिए हुई है।

एम्बालो की तरह डियास ने भी चुनाव में खुद की जीत का दावा किया है। 'एसोसिएटेड प्रेस सोशल रिन्यूअल पार्टी' के सदस्य डियास के दावों का स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकता। इससे पहले, सैनिकों ने बुधवार को सरकारी टेलीविजन पर तख्तापलट की घोषणा की। बुधवार दोपहर राष्ट्रपति भवन के पास गोलियों की आवाजें भी सुनाई दी थीं। फ्रांस के समाचार प्रतिष्ठान 'जून अफ्रीका' ने एम्बालो के हवाले से बताया कि सेना प्रमुख ने तख्तापलट किया है और उन्हें (राष्ट्रपति) गिरफ्तार कर लिया गया है। फ्रांसीसी टेलीविजन नेटवर्क 'फ्रांस 24' से उन्होंने कहा, मुझे पद से हटा दिया गया है।

राष्ट्रीय और सार्वजनिक व्यवस्था की बहाली के लिए गठित उच्च सैन्य कमान के प्रवक्ता दिनिस एन'चमा ने एक बयान में कहा, शीर्ष सैन्य कमान ने राष्ट्रीय और सार्वजनिक व्यवस्था की बहाली के लिए तुरंत राष्ट्रपति को पद से हटाने और गिनी-बिसाऊ गणराज्य की सभी संस्थाओं को अगले आदेश तक निलंबित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने दावा किया कि चुनावी नतीजों में हेरफेर करके देश को अस्थिर करने की जारी गोपनीय साजिश के जवाब में यह कदम उठाया गया है।

एन'चमा ने आरोप लगाया कि इस साजिश में कुछ नेता, एक कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर और घरेलू तथा विदेशी नागरिक शामिल थे। राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव रविवार को हुए थे। मौजूदा राष्ट्रपति एम्बालो और विपक्षी उम्मीदवार फर्नांडो डायस दा कोस्टा, दोनों ने मंगलवार को अपनी-अपनी जीत का दावा किया था जबकि आधिकारिक अनंतिम परिणाम बृहस्पतिवार को आने की उम्मीद है।

भारतीय सैनिकों की हिम्मत की याद दिलाने वाली फिल्म है '120 बहादुर' : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर की नयी फिल्म '120 बहादुर' देखने के लिए लखनऊ के एक सिनेमाघर गए। उन्होंने इसे 1962 के रेजांग ला युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की हिम्मत की याद दिलाने वाली फिल्म बताया। यादव के साथ फिल्म के नायक फरहान अख्तर और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। सपा अध्यक्ष ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देशभक्ति सिर्फ नारा नहीं, देश पर जान न्योछावर करने का पक्का इरादा होना चाहिए। अच्छी फ़िल्म का अच्छा संदेश! फिल्म देखने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय सेना के बलिदान को समझने के लिए यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, दुनिया की सबसे बहादुर सेना हमारी है।

हमारे सैनिकों ने रेजांग ला युद्ध में बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उनकी हिम्मत पर बनी यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए।

यादव ने लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले अहीर सैनिकों की तारीफ की और कहा, हमारी सेना के इस शानदार अध्याय को आने वाली पीढ़ियों को देखना, समझना और याद रखना चाहिए। एक सैनिक ने हजारों चीनी सैनिकों का मुकाबला किया। फरहान अख्तर ने फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी की भूमिका निभाई है। भाटी को मरणोपरांत 'परमवीर चक्र' से सम्मानित किया गया था। सपा प्रमुख ने चीन की ओर इशारा करते हुए कहा कि लोगों को उन देशों से सावधान रहना चाहिए जो समय-समय पर हमारी जमीन हड़पते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हाल के सालों में भारत का क्षेत्रफल छोटा हो गया है। सरकार को देश को बताना चाहिए कि हमारा इलाका पहले क्या था और आज क्या है। भाजपा के राज में हमारी सीमाएं सिकुड़ती दिख रही हैं। यह सरकार दुष्प्रचार और झूठ पर ज्यादा भरोसा करती है। 21 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 120 बहादुर वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला में तीन हजार से ज्यादा चीनी सैनिकों के खिलाफ अहीर कंपनी के 120 सैनिकों के पराक्रम पर आधारित है।

धर्मेन्द्र आप हमेशा हमारे साथ थे और हैं, मुमताज ने शेयर की दिल छू लेने वाली तस्वीरें

नई दिल्ली/एजेन्सी

300 से ज्यादा फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को 4 दशकों तक मनोरंजन करने वाले धर्मेंद्र देओल आज हमारे बीच नहीं हैं। अभिनेता भले ही दुनिया से चले गए हैं, लेकिन आज भी अपने स्वभाव और सफलता के बल पर लोगों के दिलों में जिंदा हैं। अब उनके साथ कई फिल्मों में काम करने वाली दिग्गज अभिनेत्री मुमताज ने धर्मेंद्र देओल को श्रद्धांजलि अर्पित की है। दिग्गज अभिनेत्री मुमताज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी और धर्मेंद्र की पुरानी फोटोज शेयर की हैं। फोटोज में दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री साफ दिख रही है। प्यारी फोटोज को पोस्ट कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, धरम जी, आप हमेशा हमारे साथ थे और हैं! ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे! अभिनेत्री मुमताज और धर्मेंद्र देओल की जोड़ी 70 के दशक की हिट जोड़ियों में से एक थी। दोनों ने साथ में फिल्म 'लोफर', 'मेरे हमदम मेरे दोस्त', 'आदमी और इंसान', 'झील के उस पार' और 'चंदन का पलना' में काम किया था, लेकिन 1973 में आई फिल्म 'लोफर' पर्दे पर हिट साबित हुई थी।

फिल्म में मुमताज और धर्मेंद्र की रोमांटिक केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया था। इस फिल्म का गाना मैं तेरे इश्क में मर न जाऊ आज भी 70 के दशक के टॉप रोमांटिक गानों की लिस्ट में शुमार है।

इसी फिल्म के गाने 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' और 'कोई शहरी बाबू' आज भी खूब पसंद किए जाते हैं। फिल्म 'लोफर' में धर्मेंद्र ने एक पॉकेटमार का रोल निभाया था, जबकि मुमताज एक जासूस थी। दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं, जिसके बाद धर्मेंद्र को बचाने के लिए मुमताज उनकी मदद करती हैं। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ दोनों का भरपूर रोमांस भी दर्शकों को देखने को मिला है। इससे पहले साल 2023 में भी धर्मेंद्र और अभिनेत्री मुमताज को 'इंडियन आइडल' के सेट पर देखा गया था। दर्शकों के कहने पर दोनों ने फिल्म लोफर के गाने मैं तेरे इश्क में मर न जाऊ को फिर से रियल में स्टेज पर किया था। फिल्म के रिलीज हुए 52 साल के बाद भी दोनों के बीच वही स्पार्क दिखा, जो कभी साल 1973 में देखने को मिला था, लेकिन अब धर्मेंद्र के जाने के बाद ये आइकॉनिक जोड़ी सिर्फ अब पर्दे पर ही जिंदा रह गई है।

धर्मेंद्र को याद कर नम हुई बादशाह की आंखें, 'इंडियन आइडल' के सेट पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के लीजेंड धर्मेंद्र किसी न किसी रूप में लोगों के दिलों में जिंदा हैं। हर कोई उनके साथ बिताए पलों को याद कर रहा है, तो कोई उनके गानों को याद कर भावुक हो रहा है। अब सिंगर बादशाह ने सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के मंच से अभिनेता को याद किया और उन्हें शेर के जरिए श्रद्धांजलि दी। सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के मंच पर बादशाह और सिंगर श्रेया घोषाल ने नम आंखों से अभिनेता धर्मेंद्र को याद किया। बादशाह ने कहा, धरम पाजी पंजाब की असली खुशबू थे, लेकिन ऐसा लगता है कि हमारे पंजाब की सुनहरी खुशबू कहीं खो गई है। इकलौते धरम पाजी ही ऐसे थे, जिनका हर कोई फैन था। आप जहां भी हैं, खुश रहें।

इसके बाद सिंगर धर्मेंद्र का ही लिखा शेर कहकर अभिनेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वह कहते हैं, सब कुछ पाकर भी हासिल-ए-जिंदगी कुछ भी नहीं, कमबख्त जान क्यों जाती है, जाते हुए। इस दौरान मंच पर मौजूद श्रेया घोषाल की आंखें भी नम हो जाती हैं। यह एपिसोड इस शनिवार और रविवार को टेलीकास्ट किया जाएगा। 24 नवंबर को धर्मेंद्र ने अपने जुहू वाले घर में अंतिम सांस ली, जिसके बाद उसी दिन अभिनेता का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। अभिनेता के जाने के बाद से हर कोई उन्हें अलग-अलग तरीकों से याद कर रहा है। गुरुवार को ही हेमा मालिनी ने भी पहली बार अपने पति और अभिनेता को खोने का दर्द शब्दों के जरिए बयां किया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र का जाना उनके लिए सब कुछ चले जाने जैसा है, क्योंकि वह उनके लिए सब कुछ थे। उन्होंने कई अनसीन और प्यार भरी फोटो को भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। बता दें कि बादशाह का पंजाब से गहरा नाता है, क्योंकि उनकी मां पंजाब की रहने वाली हैं। सिंगर ने हमेशा पंजाब और वहां से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात की है। उनका करियर भी पंजाबी संगीत उद्योग से जुड़ा है। उनके पंजाबी और बॉलीवुड गानों के बिना शादी का जश्न अधूरा लगता है। सिंगर ने अपने करियर में कई हिट गाने दिए हैं।

चाय की चुस्की के साथ सेहत का भी रखें ख्याल, आयुर्वेद से जानें सही तरीका

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारत में चाय सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि एक आदत, एक भावनात्मक जुड़ाव और रोजमर्रा की थकान मिटाने का जरिया है। यहां दिन की शुरुआत ही लोग चाय की प्याली के साथ करते हैं और कई लोग तो दिनभर में 4 से 5 बार चाय पीते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये आपकी सेहत पर कैसा असर डालती है? आयुर्वेद की नजर से देखें तो चाय उतनी सरल नहीं है जितनी दिखती है। आयुर्वेद चाय को तामसिक प्रवृत्ति वाला पेय मानता है। यह शरीर और मन की ऊर्जा को असंतुलित कर सकता है। खासकर यह पित्त और वात दोष को बढ़ाने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि ज्यादा चाय पीने से एसिडिटी, कब्ज, दिल की धड़कन तेज होना, नींद कम आना और त्वचा से जुड़ी कुछ समस्याएं हो सकती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि चाय पूरी तरह त्याग देनी चाहिए, बल्कि इसे पीने का तरीका और मात्रा सही होनी चाहिए। सबसे पहले, सुबह उठते ही खाली पेट चाय पीना आयुर्वेद में बिल्कुल उचित नहीं माना गया है। यह जठराग्नि को कमजोर करके गैस, एसिडिटी और पाचन खराब कर सकता है। बेहतर है कि सुबह गुनगुना पानी, शहद-नींबू या सादा पानी लिया जाए और उसके बाद चाय।

लेकिन ज्यादा दूध और चीनी वाली चाय न पिएं, ये कफ बढ़ाती है, जिससे भारीपन और सुस्ती महसूस होती है। दिन में दो-तीन कप से ज्यादा चाय पीने से शरीर में पानी और मिनरल्स की कमी हो सकती है, इसलिए सीमित मात्रा में ही चाय का सेवन करें। भोजन के तुरंत बाद चाय पीने की आदत भी नुकसान पहुंचाती है। इससे भोजन में मौजूद आयरन और अन्य पोषक तत्व शरीर में सही तरह अवशोषित नहीं होते। रात को सोने से पहले चाय लेने से नींद पूरी नहीं होती और दिल की धड़कन भी तेज हो सकती है। इसलिए समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि चाय की मात्रा। अगर चाय पीना पसंद है, तो इसे हेल्दी बनाने के कई आयुर्वेदिक तरीके हैं। तुलसी की चाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है, अदरक वाली चाय पाचन सुधारती है, दालचीनी शुगर कंट्रोल में मदद करती है और इलायची पाचन के साथ मुंह की दुर्गंध दूर करती है। ऐसी हर्बल चाय दूध और चीनी के बिना लेना सबसे अच्छा माना जाता है। चाहें तो चीनी की जगह शहद या थोड़ा गुड़ इस्तेमाल कर सकते हैं। सौंफ वाली चाय एसिडिटी वालों के लिए बढ़िया है और गर्मियों में पुदीने वाली चाय ठंडक और राहत देती है। इसके अलावा, चाय के साथ तला-भुना न खाएं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा चाय नहीं देनी चाहिए। अगर सिरदर्द, बेचैनी या नींद की कमी महसूस हो तो तुरंत चाय कम कर दें।

बैठक

बस्तर में गुरुवार को कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी सचिन पायलट स्टेट प्रेसिडेंट दीपक बैज और दूसरे लोगों के साथ स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न की रिव्यू मीटिंग में हिस्सा लेते हुए।

'रात अकेली है : द बंसल मर्डर्स' टीजर : नवाजुद्दीन सिद्दीकी की एंट्री ने बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई/एजेन्सी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की आने वाली फिल्म 'रात अकेली है : द बंसल मर्डर्स' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। लोग फिल्म की कहानी के बारे में जानने के लिए बेताब हैं। इस कड़ी में नेटफ्लिक्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, जो फैंस की उत्सुकता को बढ़ा रहा है। शुरुआत में ही टीजर ऐसा सस्पेंस पैदा कर रहा है, जो दर्शकों को आखिर तक स्क्रीन से बांधे रखता है। टीजर की शुरुआत एक रहस्यमयी माहौल से होती है, जहां बंसल परिवार का पूरा घर सन्नाटे में डूबा दिखाई देता है। कुछ ही सेकंड में पता चलता है कि एक ही रात में इस परिवार के कई लोगों की हत्या हो चुकी है, जिसने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। कैमरा धीरे-धीरे घर के उन हिस्सों से गुजरता है, जहां कभी जिंदगी थी और अब सिर्फ खामोशी और सवाल बचे हैं। इसके बाद कुछ सीन्स ऐसे दिखते हैं जो फिल्म की कहानी में एक गहरा और भयावह माहौल जोड़ते हैं, जैसे पूजा-पाठ करते लोग, पुराना हवेलीनुमा घर, और अचानक दिखाई देने वाला कब्रिस्तान। इन सबके बीच इंस्पेक्टर जटिल यादव यानी नवाजुद्दीन सिद्दीकी की एंट्री होती है, जो मामले की जांच करते हैं। इस दौरान इतने खुलासे होते हैं कि नवाजुद्दीन कहते हैं, ''बंसल मर्डर कोई छोटा-मोटा कांड नहीं है, यह हत्याकांड है इसकी जड़ मैं कहीं से भी ढूंढ निकालूंगा।''

टीजर में लगातार ऐसे संकेत छोड़े गए हैं जो बताते हैं कि फिल्म में कई ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। कहीं किसी किरदार की डर भरी आंखें दिखाई देती हैं, तो कहीं रहस्य से भरे संवाद सुनाई देते हैं। कुछ शॉट्स में ऐसा लगता है कि बंसल परिवार के भीतर ही लंबे समय से कोई तनाव, राज और छुपी हुई कड़वाहट थी, जिसके चलते यह घटना हुई हो। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर भी टीजर में सस्पेंस को और गहरा करता है। हर सीन के साथ संगीत ऐसा बनाया गया है कि दर्शक को महसूस हो कि यह कहानी सिर्फ एक मर्डर केस नहीं, बल्कि एक ऐसे खेल की शुरुआत है, जिसमें हर किसी के पास कुछ न कुछ छुपा हुआ है।

जहां तक कहानी का सवाल है, 'रात अकेली है: द बंसल मर्डर्स' 2020 में आई फिल्म 'रात अकेली है' का सीक्वल है, जो एक क्राइम-थ्रिलर थी और जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। पहली फिल्म में इंस्पेक्टर जटिल के किरदार ने अपना अलग प्रभाव छोड़ा था और यही कारण है कि दर्शकों की अब इसके सीक्वल से ज्यादा उम्मीदें बढ़ गई हैं। इस बार कहानी कानपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह के अलावा, राधिका आप्टे, रजत कपूर, दीप्ति नवल, इला अरुण, रेवती, अखिलेंद्र मिश्रा, प्रियंका सेतिया और संजय कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

टीजर रिलीज के साथ ही नेटफ्लिक्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। यह फिल्म 19 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

गैब्रिएला ने अर्जुन रामपाल को बताया 'लाइफ गुरु'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेता अर्जुन रामपाल बुधवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी गैब्रिएला डेमेट्रियड्स ने उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। गैब्रिएला डेमेट्रियड्स ने इंस्टाग्राम पर अर्जुन के साथ एक कैंडिड तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं मेरे उस दोस्त को, जिसने मुझे जिंदगी को सही तरीके से जीना सिखाया है।

इसके लिए आपको धन्यवाद। अभिनेता अर्जुन ने हिंदू कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया है। इसी के साथ ही, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। इसके बाद उन्होंने मनोरंजन जगत में साल 2001 में फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' से कदम रखा था। ये फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई थी, जिसके लिए अभिनेता को डेब्यू अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया था। 2008 में आई 'रॉक ऑन' के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड से भी नवाजा गया। 'मोहब्बतें' में काम कर चुकीं किम शर्मा अर्जुन की कजिन हैं। 2004 में आई 'लक्ष्य' के लिए अर्जुन रामपाल पहली पसंद थे लेकिन डेट्स ना होने के चलते वह यह फिल्म नहीं कर पाए और फिर ऋतिक रोशन इस फिल्म में कास्ट किए गए।

अभिनेता अर्जुन रामपाल ने साल 1998 में सुपरमॉडल मेहर जेसिया से शादी की थी। दोनों की महिका और मायरा नाम की दो बेटियां भी हैं। महिका का जन्म 2002 में जबकि मायरा का जन्म 2005 में हुआ था, लेकिन दोनों की ये शादी मात्र 21 साल ही चली थी, और साल 2019 में दोनों का तलाक हो गया।

तलाक के बाद अर्जुन साउथ अफ्रीकन मॉडल गैब्रिएला के साथ लिव-इन रिलेशन में हैं। गैब्रिएला अर्जुन से 14 साल छोटी हैं। 18 जुलाई, 2019 को दोनों एक बेटे, एरिक, के माता-पिता बने हैं।

252 करोड़ ड्रग्स केस: एंटी नारकोटिक्स सेल के सवालों का जवाब देने ऑफिस पहुंचे ओरी

मुंबई/एजेन्सी

बहुचर्चित 252 करोड़ रुपए के ड्रग्स मामले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रमाणी उर्फ ओरी बुधवार को मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) की घाटकोपर यूनिट पहुंचे। ओरी को ड्रग्स मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जिसके बाद वह निर्धारित समय पर ऑफिस पहुंचे। मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने इस बड़े ड्रग्स केस की जांच के सिलसिले में ओरी को दूसरा समन जारी किया था। पहला समन 20 नवंबर को भेजा गया था, लेकिन ओरी ने बताया कि वह 25 नवंबर तक उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। इसके बाद एएनसी ने 21 नवंबर को दूसरा समन जारी कर उन्हें 26 नवंबर को घाटकोपर यूनिट में उपस्थित होने का आदेश दिया था। ओरी बुधवार को समय पर वहां पहुंचे। इसके बाद उनका बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हुई।

ओरी के अलावा अभिनेता शक्ति कपूर के बेटे सिद्धांत कपूर को भी समन जारी किया गया। सिद्धांत 25 नवंबर को अपना बयान दर्ज करा चुके हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दोनों से संबंधित जानकारी मुख्य आरोपी के बयानों में सामने आई थी। 252 करोड़ रुपए की ड्रग्स का मामला पिछले साल मार्च से शुरू हुआ। महाराष्ट्र के सांगली जिले में पुलिस ने मेफेड्रोन ड्रग्स बनाने की एक अवैध फैक्ट्री पकड़ी थी। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत विदेशी बाजार में करीब 252 करोड़ रुपए थी। जांच में पता चला कि फैक्ट्री मालिक मुख्य आरोपी सुहैल शेख और ताहिर डोला हैं। ये दोनों भारत और विदेशों में रेव पार्टियां आयोजित करते थे। इन पार्टियों में यही मेफेड्रोन और दूसरे नशीले पदार्थ सप्लाई किए जाते थे। पुलिस अब इनके पूरे नेटवर्क को ढूंढने में जुटी है।

संविधान का सभी का पालन करना चाहिए : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के न्यू धोबीपेट स्थित एसएस जैन संघ में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि संविधान धर्म का प्राण और देश का सुरक्षा कवच है। संविधान, की रक्षा में ही हम सब की रक्षा संभव है। उन्होंने कहा कि जब संविधान में सभी को वोट डालने का समान अधिकार है, तो सबके ऊपर समान रूप से एक ही कानून लागू होना चाहिए एक म्यान में दो तलवार खतरे से खाली नहीं है। यह दुर्भाग्य ही है कि आज भी अधिकांश जनता संविधान में हमारे क्या अधिकार है अनजान है तो फिर उपयोग कहा से करेगी। स्कूली पाठ्यक्रम के अंदर संविधान समावेश किया जाना चाहिए।

मुनि कमलेश ने बताया कि सभी धर्म ग्रंथ मठ परंपराओं से ऊपर देश का संविधान है। जिसकी इसमें आस्था नहीं उसे हिंदुस्तान में रहने का अधिकार नहीं है। दोहरे और लचीले कानून के ऊपर समीक्षा होनी चाहिए।

जैन संत ने कहा कि देश कुरान और गीता से नहीं चलेगा संविधान से चलेगा संविधान से धार्मिक कानून को संविधान से ऊपर मानने वाले देश को कमजोर करने पर तुले में है। संविधान के साथ ईमानदारी से जीने का संकल्प सभी को मिलकर लेना चाहिए इससे बराबर कोई धर्म नहीं हो सकता और परमात्मा की पूजा नहीं हो सकती।

जिनाआज्ञा सेवा समिति की संयोजक मधु बोहरा ने बताया कि जैन दिवाकर गुरुदेव श्री चौथमल जी महाराज की पुण्यतिथि 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक पर्यावरण रक्षा राष्ट्रीय एकता विश्व शांति नशा मुक्ति और सर्वधर्म सद्भाव के रूप में मनाई जाएगी।

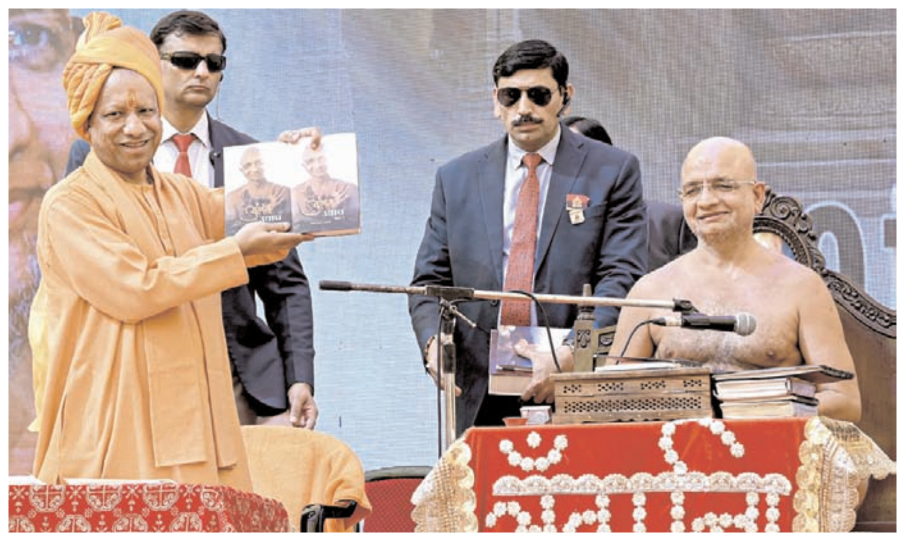

भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों व महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा : योगी आदित्यनाथ

गाजियाबाद/भाषा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की परंपरा संतों, ऋषि-मुनियों एवं महापुरुषों के त्याग-बलिदान की महागाथा है। युगों-युगों से यह महागाथा विश्व मानवता के लिए प्रेरणा रही है। योगी ने कहा कि विश्व मानवता ने इस महागाथा का श्रवण व प्रेरणा प्राप्त कर भविष्य को तय किया है। उन्होंने कहा कि भारत के अंदर आज भी पवित्र उपासना विधियां श्रद्धाभाव के साथ कार्य करते हुए इस व्यवस्था को बढ़ा रही हैं। एक बयान के मुताबिक योगी बृहस्पतिवार को मुरादनगर स्थित तरुण सागरम तीर्थ पहुंचे। उन्होंने यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 100 दिन में निर्मित गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। योगी आदित्यनाथ ने भगवान पार्श्वनाथ जी व संत तरुण सागर जी महाराज का स्मरण किया।

राणी दादी का मंगलपाठ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां दादी परिवार द्वारा हर माह किए जाने वाले राणी दादी का मंगल पाठ रायपुरम् के गणेश मंदिर में सुबह हुआ। गणेश वंदना के बाद पाठ किया गया। महाआरती के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। सभी महिलाओं ने मिलकर दादी को मीठे मीठे भजनों से रिझाया। दादी परिवार कि अध्यक्ष शिलाशाह एवं पदाधिकारी सुमन गुप्ता, वीरा कामदार, मधु चौधरी, प्रभातोदी, पुनम जोशी सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थीं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान का हथियार खरीदना चिंताजनक: नौसेना अधिकारी

मुंबई/भाषा

पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख, वाइस एडमिरल के स्वामीनाथन ने कहा है कि मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान का दुनिया भर से हथियार खरीदना एक गंभीर चिंता का विषय है, जबकि चीन भी अपनी बढ़ती आक्रामकता के बीच एक स्थायी चुनौती बना हुआ है। वह बुधवार को यहां ब्रह्म रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक सुरक्षा सम्मेलन में बोल रहे थे। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि चीनी नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बन चुकी है और पिछले दशक में उसने भारतीय नौसेना के बराबर बेड़े का विस्तार किया है। उन्होंने कहा, चीन हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में लगातार पांच से आठ जहाजों को तैनात किए हुए है। चीन एक स्थायी चुनौती बना रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर को महत्वपूर्ण बताते हुए वाइस एडमिरल ने कहा कि इसने नयी दिल्ली के इस्लामाबाद के साथ संबंधों में एक 'न्यू नॉर्मल' (नई सामान्य स्थिति)स्थापित की है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के समाप्त होने के बाद पाकिस्तान अपने यहां के हालात की पूरी तरह उपेक्षा करते हुए पहले से कहीं अधिक हथियार खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने कुछ कठोर वास्तविकताओं को उजागर किया है। वाइस एडमिरल ने कहा, एक तो पाकिस्तान और चीन के बीच मिलीभगत खुली और स्पष्ट थी।

उन्होंने कहा कि दूसरा, तुर्की का पाकिस्तान के लिए एक प्रमुख समर्थक और आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरना एक नया घटनाक्रम है, जिस पर सावधानीपूर्वक निगरानी रखनी होगी। इस कार्यक्रम में एक परिचर्चा में शामिल हुए एकीकृत रक्षा स्टाफ (परिचालन) के उप प्रमुख एयर मार्शल राकेश सिन्हा ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने तीनों सेनाओं के बीच संपूर्ण तालमेल का प्रदर्शन किया। एयर मार्शल ने कहा कि भारत ने एक नया संदेश दिया है कि यदि दुश्मन भारत को परेशान करने वाली कोई भी कार्रवाई करता है, तो देश अपने चुनिंदा समय और स्थान पर निर्णायक जवाब देगा और परमाणु ब्लैकमेलिंग स्वीकार नहीं करेगा।

जब डॉन करीम लाला ने हेलेन को उनका घर वापस दिलाने में मदद की

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित डांसरों में शुमार हेलेन को कौन नहीं जानता, लेकिन एक वक्त था जब व्यक्तिगत परेशानियों का सामना कर रहीं अभिनेत्री को मुंबई अंडरवर्ल्ड की मदद लेने के लिये मजबूर होना पड़ा। एक नई किताब व्हेन इट ऑल बिगन: द अनटोल्ड स्टोरीज ऑफ द अंडरवर्ल्ड में खुलासा किया गया है कि जब हेलेन (87) के पूर्व पति फिल्म निर्माता पी.एन. अरोड़ा ने उन्हें अपने घर से बाहर निकाल दिया था तब अंततः उन्हें अप्रत्याशित रूप से मुंबई अंडरवर्ल्ड के कुख्यात डॉन करीम लाला से मदद लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया द्वारा लिखित यह पुस्तक मुंबई के अंडरवर्ल्ड के उत्थान और पतन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है – जिसमें करीम लाला, हाजी मस्तान और दिलीप अजीज जैसे डॉन की पहली पीढ़ी का उदय भी शामिल है – यह पुस्तक उस कम ज्ञात घटना का दस्तावेजीकरण करती है जिसमें लाला ने हेलेन को उस घर को वापस पाने में मदद करने के लिए हस्तक्षेप किया था, जहां से अरोड़ा ने उन्हें बेदखल कर दिया था।

किताब में बताया गया है कि हेलेन 1938 में रंगून में पैदा हुई थीं और युद्ध का सामना कर रहे बर्मा से भागकर बंबई पहुंची थीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने फिल्मों का रुख किया और जल्द ही 1950 और उसके बाद के दशक की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक बनकर उभरीं, जिन्होंने 700 से ज्यादा भूमिकाएं निभाईं। पुस्तक में बताया गया है, सुनहरे पर्दे पर आकर्षक व्यक्तित्व के पीछे हेलेन एक कमजोर युवती थीं, जो अपने से काफी बड़े अरोड़ा के साथ रिश्ते में आ गई थी और यहां तक कि उसने अपने वित्तीय और संपत्ति का नियंत्रण भी उसे सौंप दिया था।

किताब में बताया गया, हेलन को 19 साल की उम्र में 1958 में फिल्मी दुनिया में अपना पहला ब्रेक मिला। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में काम मिलने लगा और उन्होंने सैकड़ों फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा। हालांकि, उनकी संपत्ति का नियंत्रण अरोड़ा के हाथों में था, जिनका खुद का करियर डांवाडोल चल रहा था। अरोड़ा ने हेलेन के साथ बुरा व्यवहार करना शुरू कर दिया, लेकिन उन्होंने धैर्यपूर्वक कष्ट सहा। अंततः, रिश्ते में इतनी खटास आ गई कि अरोड़ा ने हेलेन को उनकी जायदाद देने से इनकार कर दिया और एक दिन उन्हें घर से ही बाहर निकाल दिया। किताब में लिखा है कि हताश हेलेन ने दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और लेखक-अभिनेता सलीम खान से मदद मांगी, जो दोनों ही इंडस्ट्री में उनके करीबी दोस्त थे। दिलीप कुमार ने पहले खुद लाला से संपर्क करने की कोशिश की। जब वह डॉन से संपर्क नहीं कर पाए, तो उन्होंने उन्हें संबोधित एक नोट लिखा और हेलेन से उसे लाला के पास पहुंचाने को कहा।

किताब में लिखा है, हेलेन ने उसे (लाला को) अपनी दुर्दशा बताई। वह समझ गया कि वह झूठ नहीं बोल रही थी। उसने उससे वादा किया कि उसे उसका घर वापस मिल जाएगा, और उसे कुछ घंटों बाद वहां पहुंचने को कहा। इसके बाद जो हुआ उसने उसे हैरान कर दिया।

जब वह घर पहुंची, तो अरोड़ा सारा सामान और चाबियां गार्ड के पास छोड़कर घर से जा चुका था। शुक्रवार को मुंबई में आधिकारिक तौर पर लॉन्च होने वाली, व्हेन इट ऑल बिगन, जिसकी कीमत 999 रुपये है, पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) द्वारा प्रकाशित की गई है।

जगत गुरु ने किए कनिका परमेश्वरी देवी के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित कनिका परमेश्वरी देवी के दर्शन कृष्णगिरि पद्मावती धाम के सिद्ध पीठाधीश्वर गुरुदेवश्री जुना अखाड़ा के जगत गुरु वसंत विजय गिरी महाराजजी ने कनिका परमेश्वरी देवी के दर्शन किए।

महाकुंभ में जगतगुरु की उपाधि मिलने के बाद पहली बार चेन्नई पहुंचे जगतगुरु ने कनिका परमेश्वरी देवी के दर्शन किये मन्दिर के पुजारी ने पूजा अर्चना करके माला पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर गुरु भक्त कीर्ति, केतन जैन, हरीश जैन, भरत गुलेछा, डॉ. केशरसिंह राजपुरोहित गादाणा, दीपक कोचर, निलेश नवकार और अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

भारत का राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना, सभी के लिए गौरव का क्षण: चंद्रबाबू नायडु

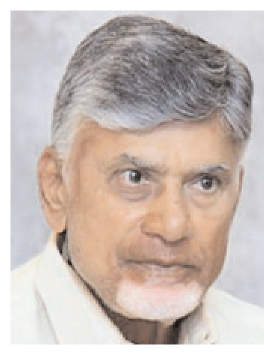

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि भारत द्वारा शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करना प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

प्रधानमंत्री को 'एक्स' पर जवाब देते हुए नायडू ने कहा, यह हर नागरिक के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है कि भारत को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी मिली है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि एक विशेष मील का पत्थर है, जो वैश्विक मंच पर भारत के कद को और बढ़ाती है तथा खेल उत्कृष्टता के प्रति हमारे राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को मेजबानी मिलने पर खुशी व्यक्त की थी और राष्ट्र के वैश्विक खेल में उत्थान के लिए लोगों तथा खेल जगत को बधाई दी थी।

मोदी ने अपनी 'एक्स' पोस्ट में कहा, मुझे खुशी है कि भारत को शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी मिली है! भारत के लोगों और खेल जगत को बधाई। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ, हम इन ऐतिहासिक खेलों को बड़े उत्साह के साथ मनाने के लिए उत्सुक हैं।

गुरुकुल के छात्र, नवी मुंबई में, गुरुवार को तीसरे जीर्णोधारण अष्टबंधन महाकुंभभिषेकम में हिस्सा लेते हुए।

करूर वैश्य बैंक ने तिरुनेलवेली में खोली नई शाखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने तिरुनेलवेली जिले के मेलापलायम में एक नई शाखा का उद्घाटन डी. चंद्र मोहन सहायक आयुक्त, मेलापलायम ज़ोन सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और डॉ. गायत्री शिवरामकृष्णन कंसल्टेंट आ ॅ ब्स ट ` ट्रि ् शि य न, गायनोकोलॉजिस्ट और फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, एसएमएस अस्पताल, पलायमकोट्टई की उपस्थित में हुआ।

उसी दिन, केवीबी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक नई शाखा खोलकर अपने कार्यक्षेत्र का और विस्तार किया, जिससे बैंक की पूरे देश में 898 शाखाएं हो गईं।

भाजपा ने अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया : सचिन पायलट

रायपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी पर अवैध प्रवासियों के मुद्दों को लेकर लोगों को गुमराह करने और पिछले 11 वर्षों से केंद्र में सत्ता में रहने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रभारी ने आज राज्य के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

कांग्रेस नेता ने कहा, जो भी अवैध प्रवासी है, उसे कानून के अनुसार देश में रहने का कोई अधिकार नहीं है। यहां अवैध रूप से रहने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, और हम इस तरह की कार्रवाई का पूरा समर्थन करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''पिछले 11 वर्षों से वे केवल भाषणों के माध्यम से लोगों को गुमराह कर रहे हैं। आंकड़े प्रस्तुत करना चाहिए और दिखाना चाहिए कि उन्होंने वहां (अवैध प्रवासियों के खिलाफ) क्या कार्रवाई की है।''

पायलट ने कहा, यह और कुछ नहीं बल्कि लोगों को गुमराह करने के लिए चुनावों के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली नौटंकी है और झूठा दावा है कि कांग्रेस अवैध प्रवासियों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि देश में कानून और व्यवस्था पर चर्चा करने के लिए छत्तीसगढ़ में (शुक्रवार से) पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, लेकिन राज्य के भीतर ही अपराध बढ़ रहे हैं।

पायलट ने आरोप लगाया, छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ लूटपाट, और अपराध हो रहे हैं, फिर भी कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.